E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 26 | प्रयागराज, बुधवार 01 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प ने हमले का वीडियो पोस्ट किया

अमेरिका ने ईरान में हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की

इस्फहान पर 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों से अटैक

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर में एक

बड़े हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला सोमवार रात को किया गया। इसके लिए 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल हुआ। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि इस डिपो में बड़ी मात्रा में हथियार और सैन्य सामग्री रखी गई थी, जिसे निशाना बनाया गया। बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल मजबूत और भूमिगत ठिकानों को तबाह करने के लिए किया जाता है। हमले के बाद डिपो में रखे हथियारों में विस्फोट होने से कई धमाके हुए और इलाके में आग के बड़े गुबार उठे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी सोशल मीडिया पर धमाकों का एक वीडियो शेयर किया है। ईरान में जारी युद्ध के बीच सरकार और सेना के समर्थन में सोमवार रात हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। करज समेत कई शहरों में रैलियां निकाली गईं, जहां लोगों ने झंडे लहराते हुए नारेबाजी की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेहरान के पास स्थित करज शहर में सबसे बड़ी रैली देखने को मिली, जहां बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए और मार्च किया। रैली में शामिल लोग 'हिम्मत दिखाओ' जैसे नारे लगा रहे थे। इसके अलावा राजधानी तेहरान और उत्तर-पश्चिमी शहर अर्दबील में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए। फिलीपींस के व्यापार और उद्योग विभाग ने लोगों से घबराकर ज्यादा सामान खरीदने से बचने की अपील की है। विभाग का कहना है कि देश में जरूरी चीजों की पर्याप्त सप्लाई जारी है।डीटीआई की सचिव क्रिस्टिना रोके ने बताया कि उनके आकलन के अनुसार 16 अप्रैल तक जरूरी और प्रमुख वस्तुओं की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी।उन्होंने कहा कि इसके बाद कुछ वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन यह सभी सामान पर लागू नहीं होगी। फिलीपींस में ईंधन की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, जिससे महंगाई बढ़ने और अर्थव्यवस्था धीमी होने की चिंता पैदा हो गई है। अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत 4 डॉलर प्रति गैलन के पार पहुंच गई है। ऐसा तीन साल से ज्यादा समय में पहली बार हुआ है। रॉयटर्स के मुताबिक, इसकी बड़ी वजह अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध है। संघर्ष से वैश्विक तेल सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ी, जिससे कच्चे तेल और पेट्रोल की कीमतें बढ़ीं। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। एक सर्वे के अनुसार, करीब 55फीसदी अमेरिकी नागरिकों ने कहा कि बढ़ती पेट्रोल कीमतों का उनके खर्च पर नकारात्मक असर पड़ा है।

दावा-अमेरिका की ईरान में घुसकर यूरेनियम जब्त करने की तैयारी

अप्रैल तक जंग खत्म करना मकसद

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान के खिलाफ जमीनी कार्रवाई करने का आदेश दे सकते हैं। अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प

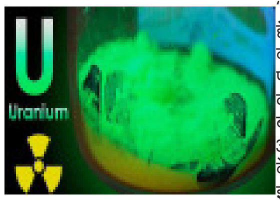

ईरान के पास मौजूद यूरेनियम को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं। ईरान के पास करीब 400 किलो समृद्ध (एनरिच्ड) यूरेनियम है, जिसका इस्तेमाल परमाणु बम बनाने में किया जा सकता है। ट्रम्प ने अपने सहयोगियों से कहा है कि ईरान को यह यूरेनियम छोड़ना ही होगा। अगर बातचीत से बात नहीं बनी, तो इसे जबरदस्ती भी लिया जा सकता है। इस बीच, अमेरिका मिडिल ईस्ट में करीब 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेजने की योजना बना रहा है। इनमें से 3,500 से ज्यादा सैनिक पहले ही वहां पहुंच चुके हैं। यूरेनियम एक ऐसा पदार्थ है, जिससे परमाणु ऊर्जा भी बनाई जा सकती है और परमाणु बम भी। फर्क सिर्फ इस बात से पड़ता है कि उसे कितना एनरिच यानि कि शुद्ध किया गया है।प्राकृतिक यूरेनियम में काम का हिस्सा बहुत कम होता है, इसलिए उसे मशीनों (सेंट्रीफ्यूज) के जरिए धीरे-धीरे शुद्ध किया जाता है। इसी प्रक्रिया को 'यूरेनियम एनरिचमेंट' कहते हैं। माना जा रहा है कि ईरान का बड़ा परमाणु भंडार उन पहाड़ी ठिकानों के मलबे के नीचे दबा है, जिन्हें अमेरिका ने बमबारी में निशाना बनाया था। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी के मुताबिक, यह यूरेनियम इस्फहान की अंडरग्राउंड टनल और नतांज जैसे ठिकानों पर हो सकता है। ट्रम्प ने पहले दावा किया था कि हमलों में ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह तबाह हो गया, लेकिन अब माना जा रहा है कि काफी यूरेनियम नष्ट नहीं हुआ, बल्कि मलबे के नीचे दब गया है। ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि ज्यादातर यूरेनियम मलबे के नीचे दबा है और अभी उसे निकालने का कोई प्लान नहीं है। साथ ही, ईरान के पास अभी भी ऐसी मशीनें हैं, जिनसे वह यूरेनियम को और शुद्ध बना सकता है और नए गुप्त ठिकाने भी बना सकता है। ईरान के विदेश मंत्री ने भी कहा था कि लगभग सारा 60फीसदी समृद्ध यूरेनियम मलबे के नीचे दबा हुआ है और अभी उसे निकालने की कोई योजना नहीं है।

रसोई में जंग करने लगा तंग, आंच से दूध-किराना-इलाज महंगे होंगे

रोजमर्रा के सामान के दाम बढ़ाने की तैयारी,एलपीजी की कमी से हजारों प्लांट यूनिट बंद

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कंपनियों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। कच्चे तेल और अन्य कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से

लागत बढ़ रही है और कंपनियां दाम बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। इससे बोतलबंद पानी, नमक, तेल जैसी रोजमर्रा की चीजें, एसी, फ्रिज जैसे कंज्यूमर ड्यूरेबल से लेकर नॉन-सर्जिकल मेडिकल आइटम के दाम बढ़ सकते हैं। वजह यह है कि इस जंग ने प्लास्टिक उद्योग की रीढ़ तोड़ दी है। बीते 30 दिनों में कच्चे माल के दाम 50-70फीसदी तक बढ़ चुके हैं। सबसे ज्यादा उपयोग में आने वाले प्लास्टिक दाने एलडीपीई के दाम 110 रु/ किलो से 180 रुपए तक पहुंच गए हैं। अन्य पॉलीमर और रॉ मटेरियल भी 30 हजार से 70 हजार रुपए प्रति टन तक वृद्धि हुई है। ऐसे में अप्रैल में प्लास्टिक की कीमतें 50-60फीसदी तक बढ़ सकती हैं। प्लास्टिक टंकी व कंटेनर के दाम 30-40फीसदी तक बढ़ने की आशंका है। ऑल इंडिया प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सुनील शाह कहते हैं कि प्लास्टिक इंडस्ट्री से 5 लाख लोग जुड़े हैं। संकट बढ़ा तो दो-तीन लाख लोग बेरोजगार हो सकते हैं। हमारी मांग है कि स्थिति सामान्य होने तक प्लास्टिक प्रोडक्ट्स पर 18फीसदी जीएसटी को कम करके 5फीसदी तक लाया जाए। बैंक वर्किंग कैपिटल लिमिट 20फीसदी तक बढ़ा दें। इससे कैश फ्लो समस्या हल होगी। असर 50 हजार प्लास्टिक फैक्ट्रियों पर पड़ा है। कॉमर्शियल एलपीजी की कमी झेल रहे अधिकांश यूनिट्स ने उत्पादन बंद कर दिया या घटा दिया। करीब 20 हजार कारखाने बंद होने का अनुमान है। हैदराबाद के एक ईपीई निर्माता ने बताया, 'हम गैस के बिना उत्पादन नहीं कर सकते। 80 रुपए/किलो तो छोड़िए 150 में भी नहीं मिल रही।' गुजरात के राजकोट में 40 से ज्यादा प्लांट बंद हो चुके हैं। मध्यप्रदेश, रायपुर और हैदराबाद में भी कई प्लांट बंद हैं। प्लास्टिक पैकेजिंग निर्माता लंबे समय तक मार्जिन का दबाव नहीं झेल पा रहे। कई यूनिट्स ने पुराने ऑर्डर रद्द कर दिए हैं। एक्सपर्ट क्या कहते हैं-'अभी के शुरुआती रुझान किसी आपातकालीन खरीदारी का संकेत नहीं देतीं। लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के चौथे सप्ताह तक मांग में उल्लेखनीय अंतर दिख सकता है, क्योंकि रेस्त्रां परिचालन में दिक्कत आ रही है। शहर से कुछ प्रवासी गृहनगर लौट रहे हैं।'

फ्लोरिडा के इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर ट्रम्प के नाम पर रखने की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में पाम बीच इंटरनेशनल

एयरपोर्ट का नाम बदलकर राष्ट्रपति ट्रम्प के नाम पर रखने का फैसला लिया गया है। गवर्नर रॉन डेसैंटिस ने सोमवार को बिल साइन किया। मंजूरी मिलने पर यह बदलाव 1 जुलाई से लागू हो सकता है। फ्लोरिडा सरकार के फैसले के बाद अब इस नाम को लागू करने के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन को औपचारिक प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके बाद फ्लाइट चार्ट, नेविगेशन सिस्टम और एयरपोर्ट साइनेज में बदलाव किया जाएगा। ट्रम्प के फैमिली बिजनेस ने फरवरी में ही इस नए नाम के लिए ट्रेडमार्क आवेदन किया था। इससे साफ है कि नाम बदलने की तैयारी पहले से चल रही थी। अमेरिकी सांसद ब्रायन मस्ट ने एयरपोर्ट का तीन अक्षरों वाला कोड पीबीआई से बदलकर डिजेटी करने का प्रस्ताव भी रखा है, जो ट्रम्प के नाम के शुरुआती अक्षर हैं।एयरपोर्ट के अलावा भी ट्रम्प के नाम पर कई सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों के नाम रखे जा रहे हैं। इनमें शामिल हैं- नेवी के नए युद्धपोतों का प्रस्तावित नाम, विदेशी निवेशकों के लिए वीजा प्रोग्राम, सरकारी दवा वेबसाइट, बच्चों के लिए सेविंग अकाउंट स्कीम, जॉन एफ केनेडी सेंटर में नाम जोड़ना, यूनाइटेड स्टेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ पीस बिल्डिंग इसके अलावा अमेरिकी करेंसी पर भी इस साल से ट्रम्प के सिग्नेचर आने की बात कही गई है। फ्लोरिडा में ही मियामी में ट्रम्प की प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी बनाने की योजना है। ट्रम्प ने इसका एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें एक विशाल कांच की इमारत, गोल्डन स्टैच्यू, प्राइवेट जेट और लग्जरी सुविधाएं दिखाई गईं। इस प्रोजेक्ट के लिए वेबसाइट भी लॉन्च की गई है, जहां कमिंग सून के साथ डोनेशन का विकल्प दिया गया है।

अंगोला से एलपीजी खरीदने की तैयारी में भारतीय कंपनियां,खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने की प्लानिंग

नयी दिल्ली। ईरान जंग की वजह से भारत में आई गैस की कमी से निपटने के लिए सरकारी तेल और गैस कंपनियां अब नए

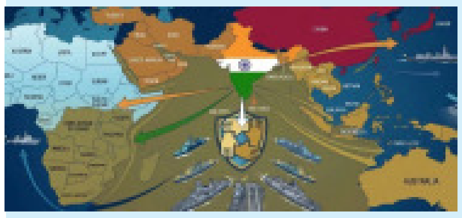

देशों से रसोई गैस (एलपीजी) खरीदने का ऑप्शन तलाश रही है। इसी वजह से इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और गेल जैसी कंपनियां अफ्रीकी देश अंगोला की सरकारी कंपनी सोनानगोल से एलपीजी खरीदने पर बातचीत कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये कंपनियां सोनानगोल के साथ लंबे समय का समझौता करने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, बातचीत अभी शुरुआती दौर में है और सरकार स्तर पर भी चर्चा चल रही है। दरअसल, भारत की 92फीसदी एलपीजी खाड़ी देशों से आती है। भारत सरकार इस निर्भरता घटाना चाहती है। ऐसे में अगर अंगोला से करार हो जाता है तो जहाज अटलांटिक और अरब सागर से होते हुए सीधे भारत पहुंचेंगे। उन्हें होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजरना होगा। भारत और अंगोला के बीच पहले से तेल और गैस का व्यापार होता रहा है, इसलिए दोनों देशों के बीच भरोसा और सप्लाई सिस्टम पहले से बना हुआ है। इसी वजह से नई डील करना आसान हो जाता है। अंगोला में गैस उत्पादन होता है और वहां एलपीजी के लिए जरूरी प्रोपेन और ब्यूटेन भी मिलते हैं, जिससे भारत को सीधे गैस मिल सकती है। सप्लाई के लिहाज से भी अंगोला सही विकल्प है, क्योंकि समुद्र के रास्ते गैस 12 से 18 दिन में भारत पहुंच सकती है और वहां एक्सपोर्ट की अच्छी सुविधा भी मौजूद है। अंगोला में एनर्जी सेक्टर सरकार के कंट्रोल में है, जिससे सरकारी स्तर पर समझौता करना आसान होता है।एक्सपर्ट्स का कहना है कि अफ्रीका से गैस सप्लाई अमेरिका की तुलना में 10 से 15 दिन जल्दी भारत पहुंच सकती है। ऐसे में अंगोला भारत के लिए एक अच्छा ऑप्शन बन सकता है। अगर यह करार होता है, तो अंगोला पहली बार भारत को रसोई गैस सप्लाई करेगा। भारतीय कंपनियां एलपीजी के लिए करीब एक साल और एलएनजी के लिए कम से कम 10 साल का करार करने पर विचार कर रही हैं। अंगोला के पास करीब 4.6 ट्रिलियन क्यूबिक फीट नेचुरल गैस का भंडार है और वह पहले से ही भारत को कच्चा तेल और एलएनजी सप्लाई करता रहा है। वित्त वर्ष 2025 में अंगोला भारत का पांचवां सबसे बड़ा एलएनजी सप्लायर था। ऑस्ट्रेलिया-अल्जीरिया और रूस से भी एलपीजी एलपीजी खरीदने की तैयारी-भारत सिर्फ अंगोला ही नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया, अल्जीरिया और रूस जैसे देशों से भी गैस इम्पोर्ट के ऑप्शन तलाश रहा है, ताकि किसी एक रीजन पर निर्भरता कम की जा सके। इस गैस संकट का असर उर्वरक (फर्टिलाइजर) और स्टील सेक्टर जैसे उद्योगों पर भी पड़ सकता है। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो गैस की कीमतें भी बढ़ सकती हैं और भारत को महंगे दामों पर गैस -खरीदनी पड़ सकती है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा है कि देश में गैस और पेट्रोलियम प्रोडक्ट की सप्लाई बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हाल ही में दो बड़े जहाज करीब 94 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत की ओर रवाना हुए हैं।

यूपी के 40 जिलों में बारिश-तेज हवाओं का अलर्ट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में बेमौसम बारिश का दौर जारी है।

ललितपुर में मंगलवार सुबह 4 बजे बारिश हुई। वाराणसी-मेरठ समेत 10 जिलों में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने आज 40 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इसके चलते मौसम में बदलाव आया है। पिछले 24 घंटों की बात करें तो बांदा सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। बुलंदशहर समेत पश्चिमी यूपी के सात जिलों में हल्की बारिश हुई। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने कहा-'प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखने लगा है। आज और कल पूरे प्रदेश में बारिश होगी। 2 अप्रैल को मौसम साफ रहेगा। इसके बाद 3 और 4 अप्रैल को पश्चिमी यूपी में बारिश होगी। ओले और आंधी के भी आसार हैं। तापमान में 3-5ष्टण् की गिरावट आएगी।' मेरठ में सुबह से धूप खिली है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही के अनुसार, अगले 24 घंटों में बारिश की संभावना है। रात के बाद तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा सकती है।वाराणसी में आसमान में हल्के बादल हैं। हवा फिलहाल शांत है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है, जिससे तापमान में करीब 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। शहर का अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री दर्ज किया गया है। ललितपुर में मंगलवार सुबह जमकर बारिश हुई। इससे तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। बारिश के कारण गेहूं की फसल को नुकसान हुआ है। आगरा में सुबह से हल्की धूप निकली है, लेकिन दोपहर बाद मौसम बदलने के आसार हैं। सोमवार को शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में रुक-रुक कर बूंदाबांदी हुई। 4 दिन कैसा रहेगा मौसम? 1 अप्रैल- पूरे प्रदेश में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। आंधी चलेगी। कहीं-कहीं ओले गिर सकते हैं।2 अप्रैल- मौसम साफ रहेगा। आसमान में बादलों की आवाजाही रहेगी। तापमान में मामूली बढ़ोतरी रिकॉर्ड की जाएगी। 3 अप्रैल- पश्चिमी यूपी में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। पूर्वी यूपी में मौसम साफ रहेगा। 4 अप्रैल- पश्चिमी यूपी में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होगी। पूर्वी यूपी में आसमान साफ रहेगा। बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है। यूपी सरकार के मुताबिक, पिछले 15 दिनों में 15 हजार किसानों की 4300 हेक्टेयर फसलें खराब हुई हैं। अब तक 10,278 किसानों को मुआवजा मिल चुका है।

वाउट हाउस के नीचे अंडरग्राउंड आर्मी कॉम्प्लेक्स बना रहे ट्रंप,द्वितीय विश्व युद्ध के बंकर की लेगा जगह

वॉशिंगटोन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस

में बन रहे चर्चित बॉलरूम प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। ट्रंप ने अमेरिका के स्थानीय समयानुसार रविवार को बताया कि वॉइट हाउस के बॉलरूम के नीचे अमेरिकी सेना एक बहुत विशाल अंडरग्राउंड कॉम्प्लेक्स बना रही है। अंडरग्राउंड मिलिट्री कॉम्प्लेक्स एक बंकर और कमांड सेंटर होगा, जो पुराने इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को रिप्लेस करेगा। इसकी कॉम्प्लेक्स के बारे में जानकारी एक मुकदमे की वजह से सामने आई है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, सेना बॉलरूम के नीचे विशाल कॉम्प्लेक्स बना रही है, जिसकी जानकारी हाल ही में एक बेवकूफी भरे मुकदमे की वजह से सामने आई है। ट्रंप उस मुकदमे का जिक्र कर रहे थे, जिसमें बॉलरूम का निर्माण रोकने की मांग की गई है। उन्होंने कहा, 'इसका निर्माण कार्य चल रहा है और हम इसमें बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। 'क्या है ट्रंप का बॉलरूम प्रोजेक्ट? वॉइट हाउस के बॉलरूम को ट्रंप के वैनिटी प्रोजेक्ट के रूप में देखा जाता है, जिसे 400 मिलियन डॉलर की लागत से तैयार किया जाना है। इसके लिए वाइट हाउस के ईस्ट विंग को अक्टूबर में गिरा दिया गया था। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

नालंदा के मंदिर में भगदड़, 9 की मौत,इनमें 8 महिलाएं,राष्ट्रपति की सुरक्षा में 2500 जवान

नालंदा। बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता

मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को शीतला अष्टमी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। दर्शन करने की जल्दी में धक्का-मुक्की मच गई। अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है। आज नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं। उनकी सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 10 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी।हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है। सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं। दीपनगर थाने के एसएचओ राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है। सरकार ने मृतकों के आश्रितों को 6 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। वही केंद्र सरकार ने 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की है। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार के चलते पटना और आसपास के इलाकों से भी दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस वजह भीड़ बहुत बढ़ गई। मंदिर परिसर छोटा था। भीड़ को कंट्रोल करने के इंतजाम नहीं थे। लोगों में पहले दर्शन करने की होड़ लग गई। लोग कतार में लगने की जगह आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इससे भगदड़ की स्थिति बन गई। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

टोल प्लाजा पर कल से नगद भुगतान नहीं होगा,4 जरूरी काम निपटाएं, 1 अप्रैल से बदल गए नियम

नयी दिल्ली। कल यानी 1 अप्रैल से देश के सभी टोल प्लाजा पर नगद भुगतान बंद हो जाएगा। वाहन चालक सिर्फ फास्टैग या यूपीआई पेमेंट के जरिए ही टोल टैक्स चुका सकेंगे। इसके अलावा, आज रात 12 बजे के बाद देश में टैक्स और बैंकिंग से जुड़े 3 बड़े कामों की डेडलाइन खत्म हो रही है। कल से टैक्स, रेलवे और बाजार से जुड़े 10 नियम भी बदल जाएंगे। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) या सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) को चालू रखने के लिए हर साल रु250 से रु500 तक न्यूनतम राशि जमा करना अनिवार्य है। अगर खाता बंद हो गया तो चालू कराने के लिए पेनाल्टी लगेगी और बैंक के चक्कर काटने होंगे। 2. पुरानी टैक्स रिजीम में सेविंग का मौकाः 80सी और 80डी के तहत निवेश करें पुरानी टैक्स रिजीम में टैक्स बचाने के लिए निवेश करने का कल आखिरी दिन है। सेक्शन 80सी के तहत रु1.5 लाख तक की छूट पाने के लिए आप पीपीएफ,

लाइफ इंश्योरेंस में निवेश कर सकते हैं। इसके अलावा, 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम और मेडिकल खर्चों पर 1 लाख तक की छूट मिलती है। 1 अप्रैल या उसके बाद किया गया निवेश अगले साल के खाते में गिना जाएगा। 3. सैलरी क्लास के लिए जरूरीः ऑफिस में जमा करें इन्वेस्टमेंट प्रूफ अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो आपको अपने ऑफिस में इन्वेस्टमेंट प्रूफ जमा करने होंगे। इसमें घर के किराए की रसीदें, बीमा प्रीमियम की रसीद, होम लोन के ब्याज का सर्टिफिकेट शामिल हैं। अगर आप ये डॉक्यूमेंट्स समय पर नहीं देते हैं, तो कंपनी आपकी आखिरी सैलरी से ज्यादा टीडीएस काट लेगी। इसे वापस पाने के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने तक का इंतजार करना होगा। 4. टोल प्लाजा पर कल से नकद भुगतान बंदः सिर्फ फास्टैग या यूपीआई से पेमेंट। अगर आपके पास गाड़ी है तो आज ही अपनी गाड़ी में फास्टैग अकाउंट एक्टिव कर लें। फास्टैग का उपयोग नहीं करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आपके स्मार्टफोन में यूपीआई पेमेंट की सुविधा चालू हो। कल से बिना डिजिटल पेमेंट के टोल प्लाजा पर पहुंचने पर आपको जुर्माना देना पड़ सकता है या लौटाया जा सकता है। क्योंकि, सभी टोल पर सिर्फ फास्टैग या यूपीआई से ही टैक्स चुका सकेंगे।

यू पी एस सी में सफलता पर जौनपुर के वंश शर्मा का भव्य सम्मान, समाज ने जताया गर्व

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) जौनपुर। जनपद जौनपुर के पॉलिटेक्निक चौराहा निवासी वंश शर्मा द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (यू पी एस सी) सिविल सेवा परीक्षा 2026 उत्तीर्ण करने के उपलक्ष्य में

उनके आवास स्थित एक हाल में गरिमामय एवं भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महापद्मनंद वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (एम डब्ल्यू ओ), उत्तर प्रदेश एवं भारतीय नाई कल्याण विकास सेवा समिति (रजि.), जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ, जिसमें वंश शर्मा के साथ उनके माता-पिता को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष घनश्याम शर्मा एवं संस्था अध्यक्ष दिनेश चन्द्र शर्मा ने वंश शर्मा को पुष्पमाला पहनाकर, प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र एवं सम्मान चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उपस्थित लोगों ने भी माल्यार्पण कर इस गौरवपूर्ण क्षण को उत्सव के रूप में मनाया। अपने उद्बोधन में प्रांतीय अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने कहा– 'वंश शर्मा ने अपनी असाधारण प्रतिभा, अटूट परिश्रम एवं दृढ़ संकल्प के बल पर (यू पी एस सी) जैसी कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज और जनपद का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। हम उनके उज्ज्वल भविष्य एवं राष्ट्रसेवा के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हैं।' वहीं संस्था अध्यक्ष दिनेश चन्द्र शर्मा ने अपने संबोधन में कहा– 'साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकलकर इस सर्वोच्च परीक्षा में सफलता अर्जित करना यह सिद्ध करता है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि कठिन परिश्रम, समर्पण और निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी हैं। वंश शर्मा की यह उपलब्धि सम्पूर्ण नंदवंशी समाज की सामूहिक प्रतिष्ठा का प्रतीक है और युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।' इस अवसर पर महापद्मनंद वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (एम डब्ल्यू ओ), सुलतानपुर के महासचिव दुर्गेश कुमार शर्मा ने कहा– 'वंश शर्मा की यह सफलता नंदवंशी समाज के लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का क्षण है। जौनपुर से लेकर पूरे उत्तर प्रदेश एवं देशभर में इस उपलब्धि की सराहना हो रही है। यह उपलब्धि समाज के युवाओं को आगे बढ़ने की नई प्रेरणा देती है।' कार्यक्रम को एडवोकेट संदीप शर्मा, रामगोपाल शर्मा, विनोद कुमार शर्मा उर्फ सोनू, डॉक्टर संतोष शर्मा, प्रकाश शर्मा पत्रकार, डॉ बी के शर्मा, हरिश्चंद्र शर्मा, रविंद्र शर्मा, विनोद शर्मा आदि वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी लक्षनधारी प्रधान ने की तथा संचालन मनोज कुमार शर्मा द्वारा किया गया। यह उपलब्धि न केवल वंश शर्मा के परिवार, बल्कि सम्पूर्ण नंदवंशी (नन्द, नाई, सेन, सविता, श्रीवास, शर्मा, वर्मा, ठाकुर) समाज के लिए गौरव का विषय है। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने वंश शर्मा को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं राष्ट्रसेवा के लिए मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम में रामचंद्र शर्मा, दुर्गेश कुमार शर्मा, हरिश्चंद्र शर्मा, रंजीत शर्मा, रविंद्र कुमार शर्मा, संजय शर्मा, अखिलेश शर्मा, विनोद शर्मा, सत्येंद्र शर्मा, डॉक्टर जयप्रकाश, इंद्रजीत शर्मा, संदीप शर्मा, श्याम बहादुर शर्मा, संतोष शर्मा, संदीप शर्मा एडवोकेट, अजीत शर्मा, प्रमोद शर्मा, डॉक्टर राजेंद्र शर्मा, अवधेश शर्मा, अशोक कुमार शर्मा, मुन्ना लाल शर्मा, मातादीन शर्मा, मोहनलाल शर्मा आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

वायरल वीडियो से मचा बवाल, युवक ने लगाए गंभीर आरोप, कई लोगों पर मुकदमा दर्ज

मारपीट और धार्मिक प्रतीक से जुड़ी कथित घटना की जांच में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।जिले के मिल एरिया थाना क्षेत्र में सामने आए एक मामले ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद तूल पकड़ हुई।मामले में पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार,

लिया है। मामले में एक युवक द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित पक्ष का आरोप है कि कुछ लोगों ने उसे घेरकर मारपीट की और कथित रूप से अपमानजनक व्यवहार किया। शिकायत के अनुसार, घटना के दौरान उसके साथ धक्का-मुक्की और मानसिक प्रताड़ना जैसी स्थिति उत्पन्न वायरल वीडियो की सत्यता, घटनास्थल की स्थिति और दोनों पक्षों के बयान के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।क्षेत्राधिकारी स्तर के अधिकारियों ने बताया कि मामला संवेदनशील है, इसलिए हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी और उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सैनिक की पिटाई मामला मे अपर पुलिस आयुक्त को पूर्व सैनिकों के संगठन द्वारा ज्ञापन दिया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी थाना के अंदर पूर्व पूर्व सैनिक के साथ न्याय करने की अपील की, अपर पुलिस हुआ दाग माननीय आयुक्त महोदय को दिखाया गया पीड़ित के साथ

सैनिक की पिटाई मामला मे प्रयागराज अपर पुलिस आयुक्त को पूर्व सैनिकों के संगठन द्वारा ज्ञापन दिया गया. जिसमें वेटरेनस इंडिया प्रयागराज जो जो की एक सक्रिय पूर्व सैनिकों का संगठन है इसके नेतृत्व में सभी संगठनों ने अप्रयुक्त महोदय को एक ज्ञापन दिया तथा अधियुक्त महोदय शर्मा जी ने आश्वासन दिया तथा 3 दिन का स्पेशल जांच के लिए समय के बाद दूध के दूध और पानी का पानी करने का आश्वासन दिया तथा दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिया चाहे थाना प्रभारी क्यों ना हो पीड़ित स्वयं उपस्थित था जिसका पीठ पर मरा कमांडो की अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह बीएन प्रसाद संदीप सिंह अरुण सिंह अनिल तिवारी एन मिश्रा प्रहलाद जी हरि ओम जी शशिकांत राय जी विजय पांडे आरपी सिंह महेंद्र सिंह तथा नैनी कौशांबी झूसी ट्याथर के के सभी पूर्व सैनिक संगठनों के अध्यक्ष उपस्थित थे।

चंदापुर मंदिर में 2 अप्रैल को संपन्न होगा हनुमंत लाल जी का जन्मोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बाबा जगमोहन ईश्वर

धाम चंद्रपुर मंदिर प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठित सर्वाग्रही दोष विनाशक श्री हनुमंत लाल जी के दरबार में जन्मोत्सव का कार्यक्रम बड़े हर्ष के साथ श्रद्धा भक्ति के साथ संपन्न किया जाएगा कार्यक्रम व्यवस्था प्रभारीधर्मेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि दिनांक 2 अप्रैल को पूरे मंदिर परिसर की भव्य सजावट कराई जाएगी तथा रात्रि 8:00 बजे आरती के उपरांत महा प्रसाद का वितरण किया जाएगा मंटू शुक्ला ने बताया की प्रातः 9:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक 51 बार पंचमुखी हनुमत कवच का पाठ आचार्य पंडित इंद्र कुमार पाठक के द्वारा संपन्न किया जाएगा तथा शाम 5:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक संगीत में सुंदरकांड का पाठ रिंकू जायसवाल भवानीगढ़ शिवगढ़ के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान गौरव त्रिपाठी एवं साधना त्रिपाठी लुधारी कोठी रायबरेली के द्वारा पूजा करने के पश्चात संकल्प लिया जाएगा और उपरोक्त पाठ संपन्न किया जाएगा हनुमान जी के जन्म के संबंध में दो तिथियां का उल्लेख शास्त्रों में प्राप्त होता है पहली तिथि चैत्र मास के पूर्णिमा तिथि जो की 2 अप्रैल को है दूसरी तिथि कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि जो की दिवाली के दिन पूर्व नरक चतुर्दशी रहती है उसे दिन भी हनुमान जी का जन्मदिन मनाया जाता है इस धरा धाम पर आठ लोग चिरंजीवी हैं जिसमें अश्वत्थामा, राजा बलि, विभीषण, कृपाचार्य, मार्कंडेय मुनि, वेदव्यास, परशुराम और हनुमान जी यह आठ लोग धरा धाम पर साक्षात विचरण करते हैं हनुमान जी चिरंजीव हैं और कलयुग के साक्षात देवता है जो अष्ट सिद्ध नव निधि के देने वाले हैं सभी नगर वासियों से अनुरोध है की दिनांक 2 अप्रैल को हनुमंत लाल जी के जन्मोत्सव के उक्त कार्यक्रम में सब परिवार उपस्थित होकर के हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्तकरें।

बैठक में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मान का निर्णय,सैन जयंती की तैयारी को लेकर चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोटपूतली। कस्बे के निकट श्री

सैन मंदिर में सोमवार को श्री सैन मंदिर विकास प्रबंधक एवं समाज उत्थान रजि, समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता परगना प्रधान रामकिशन सैन कांसली वाले ने की। सैन जयंती अध्यक्ष नानक चंद सैन ने बताया कि संत शिरोमणि सैन जी महाराज की 726वीं जयंती मनाने व प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम की विस्तार से चर्चा कर सर्व सम्मति से तय किया गया। की 14 अप्रैल को श्री सैन मंदिर प्रांगण में मनाई जायेगी। जिसमे सैन जयंती व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम मे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, एवं समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित कर सत्र 2026 के कक्षा 10 व 12 के छात्र-छात्राओं को 75फीसदी से अधिक अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को भामाशाह राधेश्याम सैन फतेहपुर कँला (प्रधान बारबर यूनियन कोटपूतली) के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। बैठक में वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सदस्यों ने अपने सुझाव भी सांझा किये। इस अवसर पर वेदप्रकाश सैन, श्यामलाल सैन,संजय सैन, ओमप्रकाश सैन, बनवारीलाल सैन, लक्ष्मीनारायण सैन, उदमीराम सैन, मुंशीराम सैन, लक्ष्मीनारायण सैन, नेतराम सैन, रणसिंह सैन, महेद्र सैन अन्य समाज बन्धु उपस्थित रहे।

आईएमए रायबरेली में सर्वसम्मति से चुनी गई नई टीम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), रायबरेली की नई कार्यकारिणी के गठन में सोमवार 30 मार्च, को संगठनात्मक एकता, आपसी विश्वास और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रेरक झलक देखने को मिली। आईएमए भवन, विष्णु नगर में चुनाव अधिकारी डॉ. अतुल अग्रवाल की देखरेख में संपन्न चुनाव प्रक्रिया के तहत वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव जायसवाल को पुनः अध्यक्ष एवं डॉ. सी.बी. सिंह को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया, जबकि वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. धर्मेंद्र सिंह सचिव चुने गए। गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न इस चुनाव ने यह स्थित साफ कर दिया कि आईएमए रायबरेली न केवल एक संगठन, बल्कि सेवा और समर्पण की साझा भावना से जुड़ा सशक्त परिवार है। निर्वाचित पदाधिकारियों के प्रति सर्वसम्मति से जताया गया विश्वास उनके अनुभव, नेतृत्व क्षमता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का सम्मान माना जा रहा है। इस अवसर पर निवर्तमान सचिव डॉ.

अनुपम दीक्षित ने वर्षभर की गतिविधियों का प्रभावी विवरण प्रस्तुत करते हुए आईएमए द्वारा आयोजित जनहितकारी मेडिकल कैंपों, सामाजिक अभियानों एवं 'रीमा कॉन 2026' के सफल आयोजन को संगठन की उपलब्धियों के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने सभी सदस्यों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए टीम भावना को संगठन की सबसे बड़ी ताकत बताया। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सकों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की महत्ता को और बढ़ा दिया। प्रमुख रूप से डॉ. ए.आर. त्रिपाठी, डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. अजय श्रीवास्तव, डॉ. एस.एम. सिंह, डॉ. के.एस. सिंह, डॉ. मनीष चौहान, डॉ. ब्रजेश सिंह, डॉ. डी.आर. मौर्य, डॉ. स्वेता जायसवाल, डॉ. गौरव मिश्रा, डॉ. ओमिका, डॉ. पूजा त्रिवेदी एवं डॉ. आसा शंकर वर्मा मौजूद रहे। चुनाव प्रक्रिया का संचालन डॉ. एस.एम. सिंह ने पूरी निष्पक्षता और दक्षता के साथ संपन्न कराया। अंत में सभी सदस्यों ने नव-निर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम आईएमए रायबरेली को सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता के नए आयामों तक पहुंचाएगी। यह आयोजन केवल एक चुनाव नहीं, बल्कि संगठन की मजबूती, एकजुटता और समाज के प्रति चिकित्सकों की संवेदनशील प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

रोजगार योग्यता अंतर (Employability Gap) क्यों बढ़ रहा है? कॉलेज से नौकरी तक की असली चुनौती

लेखिकाः कौशाकी सोंधी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नॉएडा। प्रख्यात व्यक्तित्व विकास विशेषज्ञ, कॉर्पोरेट ट्रेनर एवं शिक्षा क्षेत्र की अनुभवी मार्गदर्शक कौशाकी सोंधी बताती हैं कि

आज के युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि 'रोजगार योग्य' बनना है। वे ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ ह्यूमन राइट्स, लिबर्टीज एंड सोशल जस्टिस में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (महिला सशक्तिकरण) के रूप में कार्यरत हैं। साथ ही वे वीमेन इंडिया काउंसिल ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डब्ल्यूआईसीसीआई) में सलाहकार, नीति आयोग के 'मेंटोर ऑफ चेंज' कार्यक्रम से जुड़ी मेंटर, तथा भारथ यूनिवर्सिटी, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, नारायण शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी अहमदाबाद सहित कई संस्थानों में बोर्ड ऑफ एडवाइजर एवं मेंटर की भूमिका निभा चुकी हैं। उन्होंने सिम्बायोसिस सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन में मेंटर के रूप में कार्य किया है तथा अनेक विद्यालयों और सामाजिक संगठनों–जैसे ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल, एसीएम पब्लिक स्कूल सहारनपुर, सेफगार्डिंग चिल्ड्रेन सेवा समिति, कौशांबी फाउंडेशन और जौक्स फाउंडेशन–के साथ मिलकर छात्रों और युवाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने व्यावसायिक जीवन में उन्होंने होली पब्लिक स्कूल में प्रिंसिपल, मंगलमय इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा में असिस्टेंट प्रोफेसर एवं स्टूडेंट काउंसलर, आईआईएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, ग्रेटर नोएडा में हेड ट्रेनर तथा शारदा यूनिवर्सिटी में ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट विभाग की प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए हजारों छात्रों को प्रशिक्षित किया है। उनके प्रशिक्षण का मुख्य फोकस संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, व्यक्तित्व विकास और करियर रेडीनेस रहा है। अपने इसी व्यापक अनुभव के आधार पर वे बताती हैं कि भारत में तेजी से बढ़ता 'रोजगार योग्यता अंतर (Employability Gap)' एक गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। आज के समय में भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में गिना जाता है। हर साल लाखों विद्यार्थी कॉलेजों से डिग्री लेकर निकलते हैं, लेकिन एक बड़ी सच्चाई यह है कि उनमें से बहुत से युवाओं को नौकरी नहीं मिल पाती। यह स्थिति केवल बेरोजगारी नहीं, बल्कि योग्यता और रोजगार के बीच की खाई को दर्शाती है। 'रोजगार योग्यता अंतर' का अर्थ है–छात्रों के पास डिग्री तो है, लेकिन वे उद्योगों की अपेक्षाओं के अनुसार तैयार नहीं हैं। आज कंपनियाँ केवल अकादमिक ज्ञान नहीं, बल्कि व्यवहारिक कौशल, संचार क्षमता, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और समस्या-समाधान जैसी क्षमताएँ चाहती हैं। दुर्भाग्यवश, हमारे अधिकांश शिक्षण संस्थान अभी भी पारंपरिक पढ़ाई तक सीमित हैं।हाल के वर्षों में यह देखने को मिला है कि बड़ी संख्या में छात्र लिखित परीक्षाओं में सफल होने के बावजूद इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन में असफल हो जाते हैं। इसका मुख्य कारण है–आत्मविश्वास की कमी, प्रभावी संचार का अभाव और वास्तविक कार्य परिस्थितियों की समझ का न होना। डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन और नई तकनीकों के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने इस अंतर को और गहरा कर दिया है। उद्योगों की अपेक्षाएँ लगातार बदल रही हैं, लेकिन शिक्षा प्रणाली उसी गति से स्वयं को अपडेट नहीं कर पा रही। यही कारण है कि डिग्रीधारी होने के बावजूद कई युवा रोजगार से वंचित रह जाते हैं। एक और महत्वपूर्ण कारण है–करियर मार्गदर्शन की कमी। बहुत से छात्र यह नहीं समझ पाते कि उन्हें किस दिशा में आगे बढ़ना है और उस क्षेत्र के लिए किन कौशलों की आवश्यकता है। परिणामस्वरूप, वे बिना स्पष्ट लक्ष्य के पढ़ाई करते हैं और अंत में संघर्ष का सामना करते हैं। कौशाकी सोंधी के अनुसार, इस समस्या का समाधान बहुआयामी होना चाहिए। छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहकर अपने कौशलों को विकसित करना होगा। इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स, वर्कशॉप्स और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना आज के समय की अनिवार्यता है। शिक्षण संस्थानों को भी उद्योगों के साथ समन्वय स्थापित कर अपने पाठ्यक्रम को व्यावहारिक और अद्यतन बनाना चाहिए। वहीं अभिभावकों को भी बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान देना चाहिए, न कि केवल अंकों पर। अंततः, 'रोजगार योग्यता अंतर (Employability Gap)' एक चुनौती जरूर है, लेकिन इसे सही दिशा, मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से अवसर में बदला जा सकता है। जब शिक्षा, उद्योग और युवा–तीनों मिलकर कार्य करेंगे, तभी यह खाई कम होगी और हमारे युवा वास्तव में 'रोजगार योग्य' बन पाएंगे। क्योंकि आज के युग में केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल, आत्मविश्वास और व्यवहारिक समझ ही सफलता की असली पहचान है।

श्री राम कथा में धूमधाम से मनाया गया श्री राम जन्मोत्सव,भये प्रकट कृपाला दीन दयाला , कौशिल्या हितकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)नोएडा। सेक्टर 82 स्थित पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा

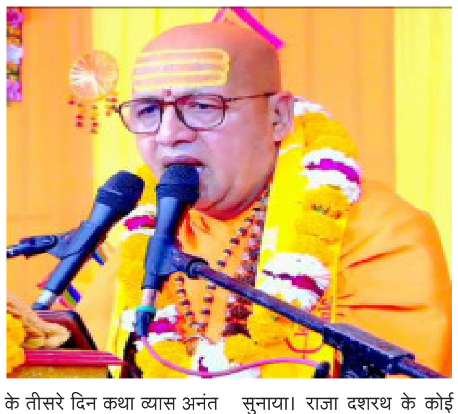

के तीसरे दिन कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने नारद मोह, जय विजय श्राप एवं राम जन्म की भावपूर्ण कथा सुनाई। नारद जी भगवान की तपस्या में रत हैं ऐसे में कामदेव उनकी तपस्या भंग करने का प्रयास करता है लेकिन तपस्या भंग नहीं कर पाता है। नारद को अभिमान हो जाता है और वह इस बात को ब्रम्हा जी, शिव जी और विष्णु भगवान को बताते हैं। भगवान विष्णु अपनी माया से उनका अहंकार नष्ट कर देते हैं। कथा व्यास ने राम जन्म का रोचक प्रसंग सुनाया। राजा दशरथ के कोई संतान नहीं है इससे चिंतित हो जाते हैं। गुरु से परामर्श के बाद श्रृंगी ऋषि पुत्रेष्टि यज्ञ कराते हैं जिसमे अग्निदेव खीर लेकर प्रकट होते हैं। उस खीर को तीनों रानियों में बांट दिया जाता है। समय आने पर महारानी कौशल्या के गर्भ से राम, सुमित्रा से लक्ष्मण और शत्रुघ्न और कैकई से भरत का जन्म होता है। अयोध्या में खुशिओं की लहर दौड़ जाती है। राजा दशरथ दोनों हाथों से राज्य के लोगों को दान देते हैं। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं ने धूमधाम के साथ राम जन्म मनाया साथ ही संगीत की मधुर ध्वनि पर जमकर नृत्य किया। इस अवसर पर श्री राम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि 1 अप्रैल को बाल लीला,विश्वामित्र यज्ञ रक्षा, अहिल्या उद्धार आदि प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस अवसर पर देव मणि शुक्ल , रवि राघव , गोरे लाल, संजय पांडे, रमेश चंद्र शर्मा, अंगद सिंह तोमर, हंसमणि शुक्ल, विष्णु शर्मा ,विश्वनाथ त्रिपाठी, अनूप सिंह,गौरव, सत्येन्द्र प्रताप सिंह, संजय शुक्ला, पप्पू सिंह, शिव कुमार पाठक, दीपक तिवारी, सर्वेश तिवारी, विनोद मुद्गल , रंजन गिरि, धर्मेंद्र सिंह, प्रमोद दीक्षित, सी एल तिवारी, संगम प्रसाद मिश्र, अवनीश तिवारी, अनिल कुमार शर्मा, बृजेन्द्र सिंह, हरि शंकर सिंह, अवनीश शर्मा, विकास कुमार, राकेश कुमार, विकास शर्मा, विजय कुमार झा, विजय कुमार, जितेंद्र सिंह, बृजेश चंद्र पांडेय, दिनेश पाठक, प्रशांत कुमार पाठक, प्रकाश जोशी, सोनू कुमार, ललित शर्मा, राकेश कुमार यादव, अनिल कुमार चौधरी, देव नारायण तिवारी, सिया राम, अजय सिंह, पदम सिंह, बहादुर चौहान, आयुष तिवारी, सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

कंप्यूटर शिक्षक प्रशिक्षण (CTT) कौशल के महत्व पर कॉमिक्स

नेंनी औधेगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागाज

दुर्गा इंटरमीडिएट कॉलेज में धूमधाम से संपन्न हुआ वार्षिकोत्सव एवं वार्षिक परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। नगर के जवाहर विहार कॉलोनी स्थित दुर्गा इंटरमीडिएट कॉलेज में वार्षिक परीक्षा फल वितरण कार्यक्रम एवं वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा बहुत ही मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिसमें भारत देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झांकियां, दहेज प्रथा पर आधारित नाट्य, कठपुतली डांस, गुजराती डांस, छोटे बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस, जल बचाओ पर आधारित कार्यक्रम एवं ऑपरेशन सिंदूर नाटक की बहुत ही सुंदर प्रस्तुति की गई। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के हजारों की संख्या में अभिभावकों ने विद्यालय के द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों को अत्यंत सराहना की। तत्पश्चात विद्यालय का वार्षिक परीक्षा फल वितरण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ जिसमें कक्षा तीन में भावेश शर्मा प्रथम भव्या बाजपेई द्वितीय एवं वैष्णवी पांडे तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 4 में आयुषी गुप्ता प्रथम, सौरभ यादव द्वितीय दीक्षा तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 5 में अवनी

प्रथम,वैष्णवी शर्मा द्वितीय और आद्या द्विवेदी तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार अन्य कक्षाओं का रिजल्ट घोषित किया गया।

विद्यालय के संचालक देवेंद्र शुक्ला ने बताया कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों एवं अभिभावकों में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में आए हुए सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने अपने उद्बोधन में दुर्गा इंटरमीडिएट कॉलेज को रायबरेली जनपद के अग्रणी विद्यालयों में बताया। गन्ना विकास समिति के डायरेक्टर उमेश मिश्रा ने विद्यालय के बच्चों द्वारा किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अत्यंत सराहना की एवं शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सराहा। उक्त अवसर पर रामेंद्र मिश्रा, अरुण सिंह, सियाराम चौधरी, लक्ष्मीकांत शुक्ला, राम सजीवन चौधरी, माला श्रीवास्तव, विजय लोधी, रोहित पांडे आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति 5.0 में बाल विवाह को न जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की जानकारी भी प्रदान की गई। उनको बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें

के उद्देश्य से मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत सोमवार को 'बाल विवाह को न' जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा के विभिन्न उपायों के विषय में जानकारी दे गई। साथ ही उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्क रहने तथा 1090, 181, 1098, 112, 102, 108, 1930 आदि हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने किसी भी विपरीत परिस्थिति का सामना करने के लिए सक्षम बनाना है, ताकि समाज में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम में किशोरी बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता की जागरूकता हेतु सेनेटरी नैपकिन का वितरण किया गया। कार्यक्रम में एच0ई0डब्लू0 से जिला मिशन समन्वयक शेफाली सिंह एवं जेंडर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, विकास पटेल और महिलाओं एवं बालिकाओं द्वारा कार्यक्रम में सहभागिता की गई।

आईएमएस नोएडा में मैनेजमेंट नेक्सस का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में

मैनेजमेंट नेक्सस का आयोजन हुआ। संस्थान द्वारा आयोजित इस अंतर महाविद्यालयीय प्रतिस्पर्धा में दिल्ली-एनसीआर के महाविद्यालयों से 150 टीम ने हिस्सा लिया। मंगलवार को कार्यक्रम के दौरान 65 टीम के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने हुनर से रूबरू कराया। वहीं कार्यक्रम में छात्रों के लिए रोल-प्ले, एड मेनिया, बिजनेस क्विज, यूथ पार्लियामेंट, स्टॉक मार्केट के बादशाह जैसी प्रतियोगिता रखी गयी। मैनेजेंट नेक्सस की शुरुआत करते हुए आईएमएस नोएडा के वाइस प्रसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि आज का यह आयोजन केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नवाचार, नेतृत्व क्षमता और सृजनात्मक सोच को विकसित करने का एक सशक्त मंच है। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि हमारे विद्यार्थियों ने अपने विचारों, रचनात्मकता और प्रबंधन कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं सभी प्रतिभागियों को उनके समर्पण और उत्साह के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। आईएमएस की डीन डॉ. नीलम सक्सेना ने

कहा कि युवा शक्ति में असीम संभावनाएं निहित हैं। आवश्यकता केवल उन्हें सही दिशा, उपयुक्त मंच और प्रभावी मार्गदर्शन प्रदान करने की है। जब विद्यार्थी पूर्ण समर्पण और लगन के साथ प्रयास करते हैं तथा उन्हें शिक्षकों का सकारात्मक मार्गदर्शन प्राप्त होता है, तब सफलता निश्चित हो जाती है। इस प्रकार के आयोजन छात्रों को अपनी प्रतिभा और क्षमताओं को पहचानने, उन्हें विकसित करने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का सशक्त अवसर प्रदान करते हैं।वहीं आईएमएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि आईएमएस नोएडा सदैव विद्यार्थियों को प्रायोगिक शिक्षा, उद्योग से जुड़ाव तथा वास्तविक जीवन के अनुभवों से समृद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। 'मैनेजमेंट नेक्सस' इसी प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है, जो छात्रों को सीखने और स्वयं को परखने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का सफल आयोजन बीबीए फैकल्टी प्रो. चेष्टा जिंदल, प्रो. शिखा गुप्ता, डॉ. एन.एस. राजपूत एवं प्रो. शोभा त्रिपाठी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्थान के सभी शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई।

जीवन -मरण सत्य सनातन प्राकृतिक है:बौद्ध धर्म गुरु भंते धम्म दीप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अमेठी। ग्राम सभा डालव में दिवंगत

छोटेलाल की याद एवं सम्मान में आयोजित शोक सभा में उपस्थित धम्म गुरुओं ने धम्म देशना के माध्यम से प्राकृतिक, सामाजिक,सांस्कृतिक चेतना पर मधुरवाणी के माध्यम से अपने ज्ञान रूपी दीपक का प्रकाश समाज में दिया।भन्ते धम्म दीप ने परिवार की मंगलकामना करते हुए कहा कि,'जीवन -मरण सत्य सनातन प्राकृतिक है।' जिस प्रकार हम किसी वस्तु का निर्माण करते हैं वह कालांतर में नष्ट हो जाती है,उसी प्रकार प्रकृति द्वारा निर्मित जो भी वस्तु है उसका विघटन होना सुनिश्चित है।अतः हमें किसी प्रकार अतिरिक्त का दुःख,शोक नहीं करना चाहिए। हालांकि माता-पिता,सगे सम्बन्धी होने के नाते शोक,दुःख हो जाना स्वाभाविक है।पूज्य भिक्खू भूपियामऊ ने कहा कि मन के शान्ति,निर्मल एवं जीवन के संतुलन के लिए भगवान बुद्ध की विपश्यना करना चाहिए। हर मनुष्य के पास बुद्धि है, विवेक है उसका प्रयोग कर अपना, परिवार, समाज एवं देश का कल्याण कर सकता है। पुण्य अनुमोदन संस्कार को बौद्धाचार्य राम समुझ बौद्ध ने सम्पन्न कराया।शोक सभा में समाज से जाने -माने व्यक्तित्व एवं समाजसेवी , शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी,राम अभिलाष बौद्ध, रामफल फ़ौजी,हरिनाथ प्रधान, अनिल सरोज, अध्यक्ष प्रधान संघ भेटुआ गोकुल यादव, राजेश अकेला, इन्द्र पाल बौद्ध, बलिराम मौर्य, शीतला प्रसाद दाढ़ी, फूल चन्द बौद्ध, विधानसभा बामसेफ संयोजक श्यामा भारती, तुलसीराम शास्त्री, रामचंद्र शिक्षक, दयाराम बौद्ध, रामखेलावन बड़े बाबू,राम सुन्दर पूर्व प्रधान,रमा शंकर यादव, दिलीप कुमार यादव, सुरेन्द्र अम्बेडकर, वरूण बौद्ध, रामनरेश, प्रदीप कुमार, राजकुमार, धर्मेंद्र कुमार, श्याम लाल, श्याम कुमार विधानसभा महासचिव बसपा,राम चन्द्र सरस कवि,किसोरी लाल,साधूराम बौद्ध, आर एस चक्रवर्ती सोहनलाल बौद्ध, जगनरायण गुप्ता , रोहित कुंवर,राम लखन, राजकुमार चौधरी, राकेश कुमार, बजरंगबली , गंगा जलि, रीता देवी,बबिता यादव, कंचन ,सहित बड़ी संख्या में धम्म अनुयाई मौजूद रहे।

टीचर्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया के बैनर तले धरने में दिल्ली जाने की तैयारी तेज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। उत्तर प्रदेश राज्य में शिक्षा का

अधिकार अधिनियम -2009, लागू होने से पूर्व नियुक्त होने वाले वाले शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टी ई टी)होना अनिवार्य किया गया है। जबकि अधिनियम के पूर्व में नियुक्त सभी शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त रखा गया है। परन्तु माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 01 सितंबर 2025 के निर्णय द्वारा देश के सभी राज्यों में अधिनिमम लागू होने की तिथि से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को भी सेवा में बने रहने अथवा पदोन्नति हेतु टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया गया है। जो कि सरासर अन्याय है। जिसके फलस्वरूप देश भर के शिक्षक एवं अन्य मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठन टीचर्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया के बैनर तले आन्दोलनरत रहकर आर. टी.ई. से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को अध्यादेश लाकर टी. ई. टी. से छूट की माँग कर रहे है। उपरोक्त के संबंध में आगामी 4 अप्रैल 2026 को टीएफआई के नेतृत्व में रामलीला मैदान नई दिल्ली में देशव्यापी स्तर पर एक विशाल धरना प्रदर्शन प्रस्तावित है ।

जिसकी तैयारी हेतु समीक्षा बैठक आर0 एन0 पब्लिक स्कूल पूरब गांव, गौरीगंज में आज 31/3/2026 को पर्यवेक्षक के रूप में अमेठी जनपद में प्रांतीय मंत्री अशोक कुमार मिश्र एवं मांडलिक मंत्री प्रयागराज अनिल पांडे की देखरेख में संपन्न हुई। जिसमें पर्यवेक्षक द्वारा भारी संख्या में दिल्ली चलने हेतु शिक्षकों को प्रेरित किया तथा शिक्षकों की संख्या और चलने वाले वाहनों की जानकारी ली गई इस अवसर पर जिलाध्यक्ष क्रमशः, अरविन्द कुमार त्रिपाठी (उ0प्र0 जूनियर शिक्षक संघ), अरुण कुमार सिंह, शशांक शुक्ल, राजेश कुमार गुप्ता, राजेश कुमार तिवारी, गंगा घर शुक्ल, , विवेक कुमार सिंह, रामललन द्विवेदी, कृष्ण कुमार पाठक, रामदेव पाण्डेय,, विनोद कुमार यादव,शिवकुश,रामबरन कन्नौजिया, दुर्गा प्रसाद, महेन्द्र प्रताप सिंह, अशोक सिंह, कामता प्रसाद दीक्षित, आशुतोष शुक्ल, डॉ. नागेन्द्र बहादुर सिंह, सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिवद्वार में 77वें रामलीला का भव्य समापनः भगवान राम की जय-जयकार से गूंजा मन्दिर प्रांगण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। घोरावल तहसील क्षेत्र के

शिवद्वार मन्दिर प्रांगण में श्री शंकर रामलीला समिति द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 77 वें रामलीला मंचन का चार दिवसीय आयोजन सोमवार को रात 9 बजे से देर रात तक धनुष यज्ञ के साथ समापन हुआ। रामलीला में हार्दिक राम, कान्हा लक्ष्मण, सुबास गिरी, मारीच राजेश्वर राम शुक्ल, विश्वामित्र जगदीश मिश्र, परशुराम नीतीश शुक्ल ने अपने अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार रामलीला के माध्यम से विश्व कल्याण, लोक शांति, सामाजिक संगठन, सनातन उत्थान, धर्म प्रचार प्रसार आदि मुख्य उद्देश्य है। रामलीला समिति के अध्यक्ष श्रीकांत दुबे ने बताया कि श्री शंकर रामलीला समिति सन 1950 में प्रथम मंचन प्रारंभ हुई जिसके संस्थापक स्व रामलखन तिवारी थे। सन 1962 में रामलीला विस्तृत रूप से अक्षयवर वर्मा राम मिश्र के अध्यक्षता में कि गई, जिसका लंबे काल तक नेतृत्व स्व श्यामधर मिश्र की अध्यक्षता में चला। वर्तमान में सच्चितानंद मिश्र द्वारा नेतृत्व किया जा रहा हैं। रामलीला मंचन में ब्रह्मानंद, शरद, सच्चितानंद, रवि, धीरेन्द्र, अमित, नंदकुमार, नंदू, जगदीश, शिवद्वार मन्दिर के पुजारी सुबास गिरी, मंदिर समिति के अध्यक्ष रविंद्र कुमार मिश्र समेत सैकड़ों दर्शक मौजूद रहे। सभी ने रामलीला का आनंद लिया और भगवान राम की जय-जयकार की।

हत्या में दोषी दंपती को 10-10 वर्ष का कारावास,12-12 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी,साढ़े तीन वर्ष पूर्व हुए रामसेवक उर्फ काशी हत्याकांड का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। साढ़े तीन वर्ष पूर्व हुए रामसेवक उर्फ काशी हत्याकांड के मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती को 10-10 वर्ष का कारावास व 12-12 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक विजय कुमार पुत्र बनवारी कोल निवासी अरुआंव, थाना शाहगंज, जिला सोनभद्र ने घोरावल थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसका लड़का रामसेवक उर्फ काशी उम्र 26 वर्ष 9 अगस्त 2022 को शाम करीब 4 बजे घर से बाइक से निकला था । उसके साथ खड़िया निवासी मुकेश भी था । लड़का शाम को घर नहीं आया। दूसरे दिन भी काफी खोजबीन किया, लेकिन उसका पता नहीं चला । 12 अगस्त को गांव के लोगों द्वारा मोबाइल में फोटो दिखाकर बताया कि 10 अगस्त को महुआव पांडेय गांव के कुएं में एक युवक की लाश मिली है। जिसे पोस्टमार्टम हाउस में रखा

गया है। जब पोस्टमार्टम हाउस जाकर देखा तो बेटे की लाश थी। पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। उसके बाद पता किया तो जानकारी मिली कि रामलखन उर्फ रवि उर्फ बाठे पुत्र पुदीन चमार निवासी महुआंव पांडेय, थाना घोरावल, जिला सोनभद्र के घर उसका लड़का 9 अगस्त की शाम गया था। जहां पर शराब पीकर आपस मे कहासुनी हुई थी। इसी दौरान मारपीट कर हत्या करने के बाद शव को छुपाने के लिए कुएं में फेंक दिया गया था। इस तहरीर पर पुलिस ने रामलखन समेत दो लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर दंपती के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान जहां अभियुक्तगणों के अधिवक्ता ने पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की, वहीं जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने हत्या का मामला बताते हुए अधिक से अधिक दंड देने की याचना की। अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती रामलखन व कृष्णावती को 10-10 वर्ष का कारावास व 12-12 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी।

दुष्कर्म के दोषी धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल को 10 वर्ष की कठोर कैद,55 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

अर्थदंड की धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी,करीब 5 साल पूर्व शादी का झांसा देकर दलित युवती के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब 5 साल पूर्व शादी का झांसा देकर दलित युवती के साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में

विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल को 10 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। उसके ऊपर 55 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक करमा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दलित युवती (पीड़िता) ने करमा थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि वह अनुसूचित जाति की युवती है। शादी का झांसा देकर धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल पुत्र राजकुमार राजा पटेल निवासी खैरपुर सिरसिया ठकुराई , थाना करमा, जिला सोनभद्र उसके साथ कई बार शारीरिक सम्बंध स्थापित किया। अब वह अपनी बिरादरी की लड़की से शादी करने जा रहा है। जब धनेश से पूछताछ की तो उसने भद्दी भद्दी गाली देते हुए धमकी दिया कि अगर कहीं शिकायत करोगी तो जान से मार दिया जाएगा। करमा पुलिस ने 17 मई 2021 को दुष्कर्म, एससी/एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर लिया गया । सीओ द्वारा मामले की विवेचना की गई और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में विवेचक ने चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 7 गवाहों के बयान तथा पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल को 10 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। इसके ऊपर 55 हजार रूपये अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सी शशांक शेखर कात्यायन ने बहस की।

सोनभद्र-डाकघर की सरकारी जमीन पर भू-माफियाओं द्वारा किया जा रहा कब्जा - गिरीश पांडेय,जिला प्रशासन और जिला पंचायत की निष्क्रियता पर उठ रहा सवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पूर्वांचल नव निर्माण मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने जिलाधिकारी सोनभद्र से और

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि- 'मीरजापुर मंडल के अधीक्षक डाकघर, मीरजापुर ने (दिनांक 24 फरवरी 2026) सोनभद्र के जिला अधिकारी को एक गंभीर पत्र लिखकर रावर्ट्सगंज में स्थित प्रधान डाकघर की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की है। पत्र में बताया गया है कि वर्ष 1956 की खतौनी के अनुसार खाता संख्या 392 में रावर्ट्सगंज प्रधान डाकघर को 11 विश्वा जमीन आवंटित की गई थी। इसके बावजूद खाता संख्या 405, 406 जिसका नया नंबर 392 है को अलग-अलग दिखाया जा रहा है। पत्र में कहा गया है कि डाक विभाग ने कई बार शिकायत की, लेकिन जिला अधिकारी (भू-राजस्व) की ओर से अभी तक कोई स्पष्ट आदेश या कार्रवाई नहीं हुई है। नगरपालिका क्षेत्र में भी भू-माफियाओं का मनमाना खेल-इसी मामले में शिकायतकर्ता गिरीश पाण्डेय ने आरोप लगाया गया है कि नगरपालिका परिषद रावर्ट्सगंज में भू-माफिया इतने बेलगाम हो गए हैं कि जिला पंचायत सोनभद्र और डाक विभाग की बार-बार चेतावनी के बावजूद ङनजूल भूमिङ पर अवैध अतिक्रमण जारी है। शिकायत में विशेष रूप से (नजूल भूमि संख्या 405 एवं 406) (नया नंबर 392) का जिक्र किया गया है, जो पूर्व में डाकघर के नाम दर्ज थी। आरोप है कि भाजपा से जुड़े कुछ लोगों ने बिना किसी सक्षम अधिकारी के आदेश के इस सरकारी जमीन के एक हिस्से को खरीद-बिक्री कर अवैध कब्जा कर लिया और निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। (जिला पंचायत का 2022 का नोटिस भी बेअसर) गिरीश पाण्डेय ने बताया कि अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत सोनभद्र ने 10 जनवरी 2022 को पत्रांक संख्या 1078/जिपंसो/2021-22 के माध्यम से विक्रेता और क्रेता को नोटिस जारी किया था। नोटिस में निर्माण कार्य तुरंत रोकने और न रोके जाने पर ङपीपी एक्ट (एंटी भू-माफिया एक्ट)ङ के तहत मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी गई थी। हालांकि, दो साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य भौतिक रूप से जारी है। गिरीश पाण्डेय ने जिला पंचायत विभाग पर ङमौन स्वीकृतिङ देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इस चुप्पी से विभाग की मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। मुख्य मांगें-जिम्मेदार राजस्व कर्मचारियों की कमेटी बनाकर पोस्ट ऑफिस रावर्ट्सगंज के नाम दर्ज जमीन की कागजी जांच ईमानदारी से कराई जाए। हो रहे अवैध निर्माण को तुरंत रोका जाए। फर्जी दस्तावेज तैयार कर नजूल भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। राजस्व भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। डाक विभाग के पत्र में भी स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उक्त सरकारी जमीन से संबंधित अवैध कब्जे के मामले का निस्तारण करने के लिए जिला अधिकारी से रिपोर्ट मांगी गई है। यह मामला सोनभद्र जिले में सरकारी संपत्तियों पर बढ़ते अतिक्रमण और भू-माफिया गतिविधियों की ओर इशारा करता है, जहां प्रशासनिक विभागों के बीच समन्वय की कमी और कार्रवाई में देरी एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से अब इस मामले में त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है।

रासपहरी म्योरपुर में 10 दिवसीय जुट बैग्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन,ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट व उड़ान सेवा ट्रस्ट के सौजन्य से आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म्योरपुर,सोनभद्र। ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के इकाई प्रमुख मनीष गर्ग, मानव संसाधन प्रमुख राजीव दुबे, कर्मचारी संबंध प्रमुख राकेश कुमार के मार्गदर्शन में संचालित सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को उड़ान सेवा ट्रस्ट के द्वारा सोन प्रेरणा संकुल स्तरीय संघ म्योरपुर ब्लॉक में 10 दिवसीय जुट बैग्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में जुट बैग्स का प्रशिक्षण महिलाओं को दिया गया, जिससे महिलाओं ने बड़े ही अच्छे ढंग से सीख कर आगे इस पर काम करेंगी। एलएसबी अधिकारी श्रीश

त्रिपाठी, बीएमएम सुभाष ने 35 महिलाओं को प्रशस्ति पत्र दिया। कार्यक्रम में ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के अधिकारी चांदनी निर्मल, अर्चना तिवारी, ट्रेनर बेबी खान, उड़ान सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष मीनू चौबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मनीष गर्ग, इकाई प्रमुख, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत ही उपयोगी है। उन्होंने कहा कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट हमेशा से ही समाज के विकास के लिए कार्य करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। राजीव दुबे, मानव संसाधन प्रमुख, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट ने कहा कि महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना हमारा उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और वे अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकेंगी। राकेश कुमार, कर्मचारी संबंध प्रमुख, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं के लिए बहुत ही लाभकारी है। उन्होंने कहा कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट हमेशा से ही महिलाओं के विकास के लिए कार्य करता रहा है। इस अवसर पर उड़ान सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष मीनू चौबे ने कहा कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के सहयोग से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से महिलाओं को बहुत ही लाभ हुआ है और वे आगे भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास करेंगी।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
ALL TYPE PRINTING SOLUTION Enjoy Publicity

गैस स्टोव से घर की हवा प्रदूषितःजानें नुकसान, हवा साफ रखने के लिए करें ये 8 काम, बरतें 7 सावधानियां

कानपूर। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) उपभोक्ता देश है। भारत सरकार

के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में 33 करोड़ घरेलू एलपीजी कंज्यूमर्स हैं। यानी कुल आबादी का बड़ा हिस्सा खाना पकाने के लिए इस पर निर्भर है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एलपीजी गैस जलने पर घर की एयर क्वालिटी खराब हो सकती है। साल 2023 में 'यूनिवर्सिटी ऑफ यूटा हेल्थ' में पब्लिश एक रिपोर्ट के मुताबिक, गैस स्टोव पर खाना बनाना 'सेकेंड हैंड स्मोक' जितना प्रदूषण पैदा कर सकता है। वहीं इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी की मेटा-एनालिसिस के अनुसार, गैस स्टोव यूज करने वाले घरों के बच्चों में अस्थमा का जोखिम करीब 42फीसदी ज्यादा होता है। हालांकि कुछ सावधानियों के साथ इस जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसलिए, आज 'जरूरत की खबर' में बात गैस यूज के सेफ्टी टिप्स की। साथ ही जानेंगे कि-गैस स्टोव से कौन-कौन सी हानिकारक गैसें निकलती हैं? गैस स्टोव से होने वाले एयर पॉल्यूशन को कम कैसे करें? विषय पे प्रकाश डालेंगे और समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. संदीप कटियार, सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, कानपुर जी के साथ। सवाल- गैस स्टोव इनडोर एयर को कैसे प्रदूषित करता है?

जवाब- एलपीजी जलाने पर कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी गैसें निकलती हैं, जो इनडोर एयर क्वालिटी प्रभावित करती हैं। पीएम2.5 (प्रदूषण के बारीक कण) भी निकलते हैं। हाई फ्लेम या लंबे समय तक कुकिंग से इनकी मात्रा बढ़ती है। खराब वेंटिलेशन में ये गैसें घर में जमा होती हैं। गैस लीकेज भी प्रदूषण बढ़ाती है। सवाल- बिना दिखने वाले धुएं के बावजूद गैस स्टोव हवा को कैसे प्रदूषित करता है? जवाब- गैस स्टोव के कण बेहद बारीक होते हैं, इसलिए नजर नहीं आते। गैस जलने पर नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड निकलती हैं, जो हवा में मिलकर वेंटिलेशन कम होने पर घर में जमा हो जाती हैं। सवाल- गैस स्टोव से कौन-सी हानिकारक गैसें निकलती हैं? जवाब- गैस स्टोव जलने पर कुछ अदृश्य हानिकारक गैसें निकलती हैं। नाइट्रोजन डाइऑक्साइडः यह प्रमुख इनडोर पॉल्यूटेंट है, जो सांस की नली में जलन और फेफड़ों की कार्यक्षमता को प्रभावित करती है। कार्बन मोनोऑक्साइडः रंगहीन-गंधहीन गैस, जो खून की ऑक्सीजन क्षमता घटाती है और सिरदर्द, चक्कर व गंभीर स्थिति में दम घुटने का कारण बनती है। कार्बन डाइऑक्साइडः यह आमतौर पर कम टॉक्सिक है, लेकिन खराब वेंटिलेशन में बढ़कर घुटन, सिरदर्द और थकान पैदा कर सकती है। फॉर्मेल्डिहाइडः कैंसर कारक गैस, जो गैस स्टोव जलने पर निकलती है और आंखों व रेस्पिरेटरी सिस्टम में जलन करती

है। मीथेनः स्टोव बंद न होने या लीकेज पर निकलती है। यह जहरीली नहीं, लेकिन पर्यावरण के लिए हानिकारक है। बेंजीनः कैंसर कारक, जो कुछ स्थितियों में गैस जलने पर बनती है और लंबे समय में हानिकारक है। अल्ट्राफाइन पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5): सूक्ष्म कण फेफड़ों में जाकर सांस और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाते हैं। सवाल- क्या एलपीजी और पीएनजी दोनों से हानिकारक गैसें निकलती हैं? जवाब- हां, एलपीजी और पीएनजी दोनों कुकिंग फ्यूल हैं। एलपीजी सिलेंडर में कंप्रेस्ड लिक्विड रूप में आती है। जबकि पीएनजी पाइपलाइन से रसोई तक पहुंचती है और अधिक सुरक्षित मानी जाती है। लेकिन दोनों के जलने पर नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड निकलती हैं। सवाल- ये गैसें सेहत को कैसे नुकसान पहुंचाती हैं? जवाब- गैस स्टोव से निकलने वाली गैसें लंबे समय में सेहत को सीधे प्रभावित करती हैं। सवाल- अगर रसोई में चिमनी या एग्जॉस्ट लगा हो तो भी इन गैसों से नुकसान होता है? जवाब- इससे जोखिम कम होता है, लेकिन खराब मेंटेनेंस, बंद फिल्टर या कमजोर वेंटिलेशन में गैसें जमा हो सकती हैं। सवाल- गैस के अलावा इनडोर एयर किन कारणों से प्रदूषित होती है? जवाब- इनडोर एयर गैस स्टोव के अलावा कई कारणों से भी खराब होती है। सवाल- इन गैसों से सबसे ज्यादा खतरा किसे है? जवाब- कुछ लोगों को इसका रिस्क ज्यादा होता है। जैसेकि- सबसे ज्यादा खतरा बच्चों को होता है, क्योंकि उनके लंग्स डेवलपिंग स्टेज में होते हैं। अस्थमा या अन्य सांस की बीमारी से पीड़ित लोगों में इसका खतरा और बढ़ जाता है। बुजुर्गों की इम्यूनिटी कमजोर होती है। इसलिए उनके लिए ये ज्यादा खतरनाक है। गर्भवती महिलाओं और लंबे समय तक रसोई में रहने वाले लोगों को जोखिम ज्यादा होता है।सवाल- गैस स्टोव से होने वाले एयर पॉल्यूशन कैसे कम करें? जवाब- गैस स्टोव सुरक्षित है, लेकिन सही इस्तेमाल जरूरी है। आसान आदतों से रसोई और घर की हवा सुरक्षित रखी जा सकती है। सवाल- गैस स्टोव इस्तेमाल करते समय क्या सावधानियां रखें? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- खाना पकाते समय हमेशा एग्जॉस्ट फैन या चिमनी चलाएं। रसोई की खिड़कियां और दरवाजे खुले रखें। हमेशा धीमी या मीडियम आंच पर खाना पकाएं। गैस स्टोव की रेगुलर सफाई करें। समय-समय पर गैस लीकेज चेक करें। अगर लीकेज हो तो तुरंत ठीक कराएं। खाना पकाते समय चूल्हे के बहुत करीब न खड़े हों। सवाल- क्या इलेक्ट्रिक/इंडक्शन चूल्हे से भी इनडोर एयर प्रदूषित होती है? जवाब- इलेक्ट्रिक/इंडक्शन चूल्हे गैस स्टोव से ज्यादा सुरक्षित हैं, लेकिन कुकिंग के दौरान सूक्ष्म कण बन सकते हैं, इसलिए इनमें भी पर्याप्त वेंटिलेशन जरूरी है। सवाल- खाना बनाने का सबसे सुरक्षित और हेल्दी तरीका क्या है? जवाब- खाना बनाते समय एग्जॉस्ट फैन चालू रखें और खिड़कियां खुली रखें, ताकि गैसें बाहर निकलें। धीमी/मीडियम आंच पर पकाएं, क्योंकि तेज आंच से उत्सर्जन बढ़ता है।

जडेजा ने दुबे को आउट करके गन सेलिब्रेशन किया,वैभव का पहली बॉल पर कैच छूटा

सिक्स लगाकर फिफ्टी पूरी की-मोमेंट्स

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स ने जीत के साथ आईपीएल 2026 की शुरुआत

की। टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में चेन्नई 19.4 ओवर में 127 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। राजस्थान ने 12.1 ओवर में 2 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। इस मुकाबले में कई

दिलचस्प मोमेंट्स देखने को मिले। वैभव का पहली ही गेंद पर कैच छूट गया। उन्होंने सिक्स लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। रवींद्र जडेजा ने शिवम दुबे को आउट करके गन सेलिब्रेशन किया।तीसरे मैच में राजस्थान से एक और चेन्नई से एक प्लेयर्स ने डेब्यू किया। राजस्थान से तेज गेंदबाज बृजेश शर्मा मैदान पर उतरे। चेन्नई से विकेटकीपर बैटर कार्तिक शर्मा ने अपना पहला मैच खेला। कार्तिक को बृजेश शर्मा ने ही पवेलियन भेजा। वे 18 रन ही बना सके। बृजेश ने 3 ओवर में 17 रन देकर एक विकेट लिया।दूसरे ओवर की आखिरी बॉल पर संजू सैमसन बोल्ड हो गए। नांद्रे बर्गर ने उन्हे इनस्विंगर बॉल पर आउट किया। सीएसके के लिए पहले मैच में सैमसन 6 रन ही बना सके। चौथे ओवर में राजस्थान रॉयल्स को रिव्यू पर विकेट मिला। पहली बॉल नांद्रे बर्गर ने शॉर्ट पिच फेंकी। आयुष म्हात्रे पुल शॉट खेलने गए, लेकिन कॉट बिहाइंड हो गए। राजस्थान के प्लेयर्स की अपील पर अंपायर ने नॉट आउट दिया। विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के कहने पर कप्तान रियान पराग ने रिव्यू लिया। रीप्ले में दिखा की म्हात्रे के बैट से लगाकर बॉल कीपर के पास गई। अंपायर को फैसला बदलना पड़ा और म्हात्रे शून्य के स्कोर पर आउट हो गए। आयुष म्हात्रे के आउट होने के बाद सरफराज खान इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतरे। क्रीज पर आने से पहले अंपायर ने सरफराज के बैट की जांच की, लेकिन उनका बैट टेस्ट में पास नहीं हुआ।

इसके बाद उन्हें बैट बदलना पड़ा। राजस्थान के लिए 17 साल बाद खेलने उतरे रवींद्र

जडेजा ने अपने पहले ही ओवर में 2 विकेट ले लिए। 8वें ओवर की दूसरी बॉल जडेजा ने गुड लेंथ पर फेंकी। सरफराज खान स्वीप शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद उनके पैड पर लग गई। सरफराज 17 रन बनाकर आउट हुए। शिवम दुबे बैटिंग करने उतरे, उन्होंने पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। जडेजा ने आखिरी गेंद पर हिसाब बराबर किया और दुबे को लॉन्ग ऑफ पर कैच करा दिया। इसके बाद जडेजा ने हाथ से बंदूक का इशारा बनाते हुए गोली दाग दी। दुबे 6 रन ही बना सके।चेन्नई के लिए पहला ओवर मैट हेनरी फेंकने आए। वैभव सूर्यवंशी अपनी पहली बॉल पर बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। कार्तिक शर्मा गेंद के नीचे आए, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। अगली गेंद पर सूर्यवंशी ने छक्का भी लगा दिया।डेब्यू कर रहे कार्तिक शर्मा ने वैभव सूर्यवंशी के जूतों की बद्दी बांधी। वैभव राजस्थान के लिए ओपनिंग करने आए।वैभव सूर्यवंशी ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने नूर अहमद के खिलाफ लगातार 2 छक्के लगाए और महज 15 गेंद पर हाफ सेंचुरी पूरी कर ली।10.6 ओवर में नूर अहमद की गेंद पर रियान पराग ने रिवर्स खेलते हुए सिक्स लगा दिया। पराग ने नूर की फुल लेंथ गेंद को नीचे से स्वाइप करते हुए शॉट लगाया।

पीसीबी ने गेंदबाज नसीम शाह पर जुर्माना लगाया,मुख्यमंत्री मरियम नवाज पर कमेंट किया था

बोर्ड ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन माना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह पर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 2 करोड़ पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई मरियम नवाज की आलोचना वाले ट्वीट के बाद हुई, जिसे नसीम के अकाउंट

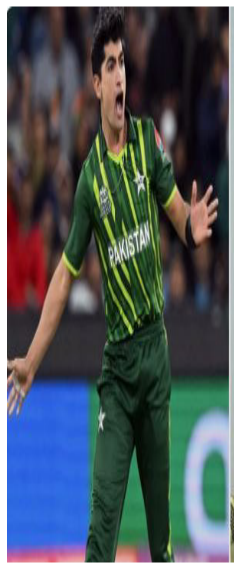

से पोस्ट होने के कुछ देर बाद डिलीट कर दिया गया। पीसीबी ने इसे सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों का उल्लंघन माना। क्या था पूरा मामला विवाद की शुरुआत पीएसएल के पहले मैच के बाद हुई। पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने पहले घोषणा की थी कि ईंधन बचाने और पश्चिमी एशिया संकट के कारण टूर्नामेंट बिना दर्शकों के होगा। लेकिन मैच के दौरान पूर्व पीएम नवाज शरीफ की बेटी और पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज गद्दाफी स्टेडियम पहुंचीं और खिलाड़ियों से मिलीं। नसीम शाह के अकाउंट से पीसीबी के एक पोस्ट को कोट-ट्वीट करते हुए लिखा गया 'उन्हें लॉर्ड्स की रानी की तरह ट्रीट क्यों किया जा रहा है?' विवादित ट्वीट के कुछ मिनट बाद ही उसे डिलीट कर दिया गया। इसके बाद नसीम ने एक और पोस्ट कर सफाई दी कि उनका अकाउंट हैक हो गया था। सोमवार को उन्होंने एक नया बयान जारी कर कहा, 'मेरे अकाउंट से पिछला पोस्ट मेरी मैनेजमेंट टीम ने किया था, वह मेरे विचार नहीं हैं। मैं अपने प्लेटफॉर्म की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और सोशल मीडिया मैनेजर को हटा दिया है। मैं इस गलती के लिए माफी मांगता हूं।'पीसीबी ने मैनेजर को किया ब्लैकलिस्ट पीसीबी की तीन सदस्यीय अनुशासन समिति ने इस मामले में सुनवाई की। नसीम ने बिना शर्त माफी मांगी और अपने सोशल मीडिया मैनेजर को बर्खास्त कर दिया। पीसीबी ने न केवल नसीम पर भारी जुर्माना लगाया, बल्कि उनके मैनेजर को भी ब्लैकलिस्ट कर दिया है। अब वह मैनेजर पीसीबी के दायरे में आने वाले किसी भी अन्य खिलाड़ी के साथ काम नहीं कर पाएगा। पहले भी एक्शन हो चुका है पीसीबी इससे पहले भी खिलाड़ियों के राजनीतिक बयान पर सख्त कार्रवाई कर चुका है। पिछले साल आमेर जमाल पर भी एक नारे को लेकर 10 लाख रुपए से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया था। लेकिन नसीम शाह पर लगा जुर्माना उससे करीब 16 गुना ज्यादा है। पीएसएल में सबसे महंगे खिलाड़ियों में शामिल नसीम शाह इस सीजन पीएसएल ऑक्शन में सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक रहे। उन्हें रावलपिंडी टीम ने करीब 8.65 करोड़ पाकिस्तानी रुपए में खरीदा था।

गर्मियों में बढ़ता किडनी स्टोन का रिस्क,किसे ज्यादा जोखिम, बचाव के लिए 12 जरूरी सावधानियां

जयपुर। एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी के मुताबिक, गर्मियों में किडनी स्टोन (पथरी) के मामले बढ़ जाते हैं। गर्मियों में टेम्परेचर बढ़ने से डिहाइड्रेशन का रिस्क बढ़ता है। इससे किडनी में कैल्शियम और अन्य मिनरल के क्रिस्टल्स जमा होकर स्टोन में बदल जाते हैं। 'नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन' की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 12फीसदी से ज्यादा लोगों को किडनी स्टोन की समस्या है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज किडनी स्टोन की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-गर्मियों में किडनी स्टोन का रिस्क क्यों बढ़ता है? इससे बचने के लिए क्या करें? सवाल- क्या गर्मियों में किडनी स्टोन का रिस्क बढ़ता है? जवाब- हां, गर्मियों में किडनी स्टोन का जोखिम बढ़ सकता है। पॉइंटर्स से समझिए- गर्मियों में पसीने के जरिए शरीर से ज्यादा पानी निकलता है। पर्याप्त नहीं पीने से डिहाइड्रेशन हो सकता है। शरीर में पानी की कमी होने से यूरिन में कैल्शियम, ऑक्सलेट जैसे मिनरल्स बढ़ जाते हैं। ये मिनरल्स मिलकर छोटे-छोटे क्रिस्टल बनाते हैं, जो किडनी स्टोन में बदल जाते हैं। सवाल- किडनी स्टोन कब बनता है और मौसम से क्या संबंध है? जवाब- यूरिन में कैल्शियम, ऑक्सलेट और यूरिक एसिड बढ़ने से क्रिस्टल बनते हैं, जो पानी की कमी में बाहर नहीं निकलते और स्टोन बन जाते हैं। मौसम का सीधा संबंध नहीं है, लेकिन गर्मियों में डिहाइड्रेशन बढ़ने से जोखिम बढ़ जाता है।सवाल- किडनी स्टोन होने पर क्या लक्षण दिखते हैं? जवाब- किडनी स्टोन में पेशाब से जुड़ी समस्याएं होती हैं। इसके

सकता है। सवाल- क्या फूड हैबिट्स और लाइफस्टाइल किडनी स्टोन का रिस्क बढ़ा या कम कर सकते हैं? जवाब- हां, अनहेल्दी लाइफस्टाइल किडनी स्टोन का जोखिम बढ़ाती है, जबकि हेल्दी आदतें इसे कम करती हैं। ज्यादा नमक, प्रोसेस्ड फूड और हाई प्रोटीन डाइट न लें। ज्यादा चाय, कॉफी या सॉफ्ट ड्रिंक्स न लें। फल, सब्जी और फाइबर से भरपूर डाइट लें। नियमित फिजिकल एक्टिविटी और संतुलित डाइट लें। दिनभर में कम-से-कम 8-10 गिलास पानी पिएं। सवाल- गर्मियों में किडनी स्टोन से बचने के लिए रोज कितना पानी जरूरी है? जवाब- गर्मियों में ज्यादा पसीने से पानी की जरूरत बढ़ती है। आमतौर पर 2.5-3 लीटर पानी रोज पीना चाहिए। अगर ज्यादा पसीना आ रहा है या आउटडोर काम कर रहे हैं तो पानी की मात्रा बढ़ाएं। यूरिन का हल्का पीला रंग पर्याप्त पानी का संकेत है, जबकि गहरे रंग का मतलब है कि अधिक पानी की

पीना काफी है या इलेक्ट्रोलाइट्स भी जरूरी हैं? जवाब- पानी के साथ इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, पोटेशियम) का संतुलन जरूरी है। पसीने से ये मिनरल्स निकल जाते हैं। पानी हाइड्रेशन देता है, जबकि इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाए रखते हैं। नारियल पानी, छाछ और नींबू पानी इनके अच्छे सोर्स हैं, जो फ्लूइड बैलेंस बनाए रखते हैं। सवाल- गर्मियों में किडनी के लिए डाइट कैसी होनी चाहिए? जवाब- गर्मियों में किडनी को स्वस्थ रखने के लिए हल्की, संतुलित और हाइड्रेटिंग डाइट लेनी चाहिए। क्या खाएं- तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी, संतरा, मौसंबी, दही और साबुत अनाज। क्या न खाएं- ज्यादा नमक, जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड, रेड मीट, ज्यादा मीठा और तली-भुनी चीजें। सवाल- किडनी स्टोन का रिस्क कम करने के लिए क्या करें? जवाब- कुछ फूड्स और ड्रिंक्स किडनी स्टोन का जोखिम बढ़ा सकते हैं, इसलिए इन्हें अवॉइड करें। इसके अलावा लाइफस्टाइल में भी कुछ बदलाव करना जरूरी है। सवाल- किडनी स्टोन की हिस्ट्री होने पर गर्मियों में क्या सावधानियां रखें? जवाब- जिन लोगों को पहले स्टोन हुआ है, उनमें दोबारा बनने का जोखिम ज्यादा रहता है। ऐसे रखें ख्याल- पूरे दिन पर्याप्त पानी और लिक्विड डाइट लेते रहें। बहुत ज्यादा नमक और हाई प्रोटीन डाइट लेने से बचें। डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाइयां लेते रहें। पेशाब को लंबे समय तक रोककर न रखें। कमजोरी, दर्द या पेशाब से जुड़ी समस्या दिखे तो तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें। सवाल- किडनी स्टोन होने पर क्या करें और डॉक्टर से कब मिलें? जवाब- किडनी स्टोन में समय पर इलाज जरूरी है। छोटे स्टोन पानी से निकल सकते हैं, जबकि दर्द में दवाइयां दी जाती हैं और जरूरत पर जांच होती है। इन लक्षणों में तुरंत डॉक्टर से मिलें- कमर या पेट में तेज दर्द। यूरिन में खून आना। बार-बार उल्टी या मतली। यूरिनेशन में तेज दर्द। यूरिन कम या बिल्कुल न होना।

छोटे बच्चों में बढ़ रहा फैटी लिवर,बच्चों की फूड हैबिट पर ध्यान दें, पिज्जा, बर्गर, नूडल्स, चिप्स, चॉकलेट न खिलाएं

नयी दिल्ली। भारत सरकार की रिपोर्ट 'चिल्ड्रन इन इंडिया 2025' के मुताबिक, भारत के 5-9 साल के बच्चों में से एक तिहाई यानी करीब 33फीसदी बच्चों को हाई ट्राइग्लिसराइड्स की समस्या हो सकती है। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। आमतौर पर ये समस्या वयस्कों को होती है और मोटे लोगों को अधिक होती है। अब बच्चे भी इसका शिकार हो रहे हैं। अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो इन बच्चों को भविष्य में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे फैटी लिवर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज, हाई बीपी जैसी बीमारियां हो सकती हैं। अगर बच्चा बहुत चिप्स, नमकीन खाता है। कोल्ड ड्रिंक पीता है या घंटों तक मोबाइल लेकर बैठा रहता है। तो यह और भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। हालांकि, थोड़ी कोशिश करके ट्राइग्लिसराइड्स का लेवल नॉर्मल किया जा सकता है। ट्राइग्लिसराइड्स क्या है? बच्चों में इसका नॉर्मल लेवल क्या है? इसके लक्षण कैसे पहचानें, कैसे कंट्रोल करें? ट्राइग्लिसराइड्स शरीर में एक तरह का फैट है। ये खाने में मौजूद फैट, जैसे घी, तेल, मक्खन से आता है। साथ ही, अगर हम ज्यादा कैलोरी वाली चीजें खाते हैं - जैसे चॉकलेट, सोडा या ज्यादा चावल-रोटी तो शरीर इन्हें ट्राइग्लिसराइड्स में बदलकर स्टोर कर लेता है। ये बाद में एनर्जी के लिए इस्तेमाल होते हैं। अगर ये ज्यादा जमा हो जाएं, तो ब्लड वेसल्स में चिपक जाते हैं, जो दिल की धमनियों को ब्लॉक कर सकते

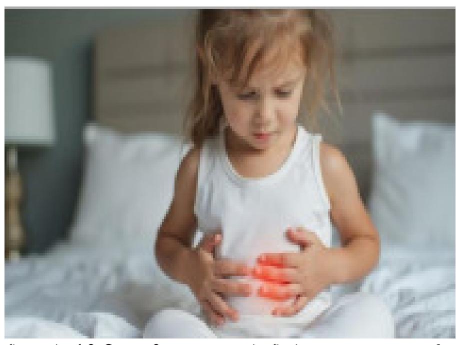

हैं। इससे फैटी लिवर की समस्या हो जाती है। बच्चों के लिए ट्राइग्लिसराइड्स का नॉर्मल लेवल क्या है? 10 साल से कम उम्र के बच्चों में ये 75 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। 10-19 साल के किशोरों में 90 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। अगर 10 साल के बच्चे में 100 एमजी/डीएल से ज्यादा है तो ये हाई लेवल माना जाता है। ट्राइग्लिसराइड्स लेवल ब्लड टेस्ट से पता चलता है, जो 8-12 घंटे फास्टिंग के बाद किया जाता है। बच्चों में क्यों बढ़ रहा है ट्राइग्लिसराइड्स? 'चिल्ड्रन इन इंडिया 2025' रिपोर्ट के अनुसार, 5-9 साल के 33फीसदी बच्चों में ट्राईग्लिसराइड्स लेवल हाई पाया गया है। इससे 16फीसदी से ज्यादा किशोर प्रभावित हैं। भारत में बच्चों में ये समस्या तेजी से बढ़ रही है आजकल बच्चे जंक फूड ज्यादा खा रहे हैं। वे ज्यादातर समय बर्गर, पिज्जा और कोल्ड ड्रिंक्स पर निर्भर रहते हैं। स्क्रीन टाइम बढ़ गया है और बाहर खेलना या आउटडोर एक्टिविटीज बहुत कम हो गई है। इसके पीछे मोटापा भी बड़ा कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रीमैच्योर बर्थ वाले बच्चे या कम वजन वाले बच्चे भी रिस्क में हैं। प्रदूषण और फैमिली हिस्ट्री भी असर डालती है। ये सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है, गांवों में भी इसका आंकड़ा बढ़ रहा है। ज्यादातर मामलों में बच्चों में इसके स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते हैं। ये 'साइलेंट किलर' की तरह काम करता है। लेकिन कभी-कभी त्वचा पर पीले-चिकने दाने निकल आते हैं। ये दाने अक्सर आंखों के पास या कोहनी पर होते हैं। अगर लेवल बहुत हाई है, जैसे, 500 एमजी/डीएल से ज्यादा है तो तो पेट दर्द या पैंक्रियाटाइटिस (अग्नाशय में सूजन) हो सकता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है। अगर बच्चा बहुत थकान महसूस करता है, सांस फूलती है या वजन तेजी से बढ़ रहा है तो सतर्क हो जाएं। सबसे अच्छा तरीका है कि रेगुलर ब्लड टेस्ट करवाएं। 9-11 साल की उम्र में पहला टेस्ट जरूरी है। अगर फैमिली में किसी को हाई कोलेस्ट्रॉल है, तो बच्चों में 2 साल की उम्र से ही चेक करवाना चाहिए। ट्राइग्लिसराइड्स जेनेटिक और लाइफस्टाइल दोनों कारणों से हाई हो सकता है। बच्चों में मुख्य कारण ओबिसिटी, अनकंट्रोल्ड डायबिटीज, थायरॉइड की समस्या, किडनी या लिवर डिजीज है। डाइट में ज्यादा चीनी, रिफाइंड कार्ब्स और सैचुरेटेड फैट्स बड़ा रोल निभाते हैं। एक्सरसाइज की कमी से भी ये जमा हो सकता है। समय से पहले जन्म या कम वेट वाले बच्चों को ज्यादा रिस्क होता है। फैमिली हिस्ट्री, स्टेरॉयड्स या इन्फेक्शन के कारण भी हो सकता है। बच्चों में हाई ट्राइग्लिसराइड्स उन्हें बचपन में उतना प्रभावित नहीं करता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ यह खतरनाक होता जाता है। इससे कोरोनरी आर्टरी डिजीज, स्ट्रोक, टाइप-2 डायबिटीज, हाई बीपी, ओबेसिटी और पेरिफेरल आर्टरी डिजीज का रिस्क बढ़ सकता है।

माइक्रो लर्निंग एप्स उपयोगी हैं, किन्तु ज्ञान का विकल्प नहीं

इस हफ्ते मैं ट्रेन से, मध्यप्रदेश के बीना में बीपीसीएल फैक्ट्री विजिट पर गया था। मेरे सामने वाली सीट पर एक पेशेवर युवा बैठा था, पहले कुछ घंटे वह कुछ ज्यादा नहीं बोला। उसने मुस्कराकर अभिवादन किया और मैंने भी वैसे ही जवाब दिया। वह 'डूम स्क्रॉलिंग' में व्यस्त था, जिसका मतलब वह अपने फोन पर अंतहीन ऑनलाइन कंटेंट स्क्रॉल किए जा रहा था। मैंने भी अपने ज्ञान को ताजा करने के लिए एक पुरानी किताब फिर से पढ़नी शुरू की। पुरानी किताब- सर जॉन विटमोर की कोचिंग फॉर परफॉर्मेंस- का जाहिराना तौर पर रंग फीका पड़ गया था। अचानक उसने मेरी ओर देखा और कहा 'सर, क्या यह वही 'ग्रो मॉडल' है, जो कोचिंग के लिए महत्वपूर्ण टूल जैसा है और बातचीत एवं विकास को आसान बनाने के लिए एक स्ट्रक्चर्ड अप्रोच मुहैया कराता है?' मैंने किताब बंद की और अचम्भे से उसकी ओर देखा। मैंने खुद से कहा 'वाह, इतनी छोटी उम्र में इसने बहुत पढ़ा है!' इस विचार के चलते मेरी उस युवा में उत्सुकता जागी और मैंने कहा, 'आपने कब ये पुस्तक पढ़ी? दरअसल, मैंने इस पुस्तक को दो दशक पहले खरीदा था।' उसने तपाक से कहा 'आप इस पुस्तक का चौथा संस्करण पढ़ रहे हो। मैंने इसके

छठे संस्करण के कुछ चुनिंदा समरी प्वाइंट पढ़े हैं।' और उसने अपने मोबाइल में दिखाते हुए पुस्तक के छठे संस्करण में जोड़े गए कॉन्सेप्ट को दोहराया। उसने इसी यात्रा में माइक्रो लर्निंग एप पर सर्फिंग करते हुए इस पुस्तक के बारे में जानकारी हासिल की थी। तब मुझे एहसास हुआ कि उसके जैसे कई लोग खुद में सुधार की लहर पर सवार हैं, एक नया वर्ग उन माइक्रो लर्निंग एप से सीखता है, जो किताब का निवालाभर सारांश देकर 15 मिनट में किसी को स्मार्ट बनाने का दावा करते हैं। मैंने कहा, 'निश्चित हो ये मात्रात्मक तौर पर अधिक जानकारी लेने का बढ़िया तरीका हो, किंतु गुणवत्ता के संदर्भ में नहीं।' और बिना किसी बहस के उसने भी इस पर सहमति दी। उसने प्रतिउत्तर में कहा, 'आपकी पीढ़ी को छोड़कर कोई भी गहरे ज्ञान में रुचि नहीं रखता और ये माइक्रो लर्निंग एप कम से कम हमें बोर्ड मीटिंग जैसे नाजुक मौकों से पार पाने में मदद करते हैं, जहां किसी को भी ज्ञान का प्रदर्शन करना होता है। ये एप पूरी किताब पढ़ने से पहले उपयोगी प्रीव्यू देते हैं।' और वो तर्क में सही था। एमएनसी में काम करने वाले व्यस्त एग्जीक्यूटिव को 260 पन्नों की भारी भरकम किताब क्यों पढ़नी चाहिए, जिसे मैं पढ़ रहा था? वो जो कह रहा था, उसमें स्मार्ट था। धीरे-धीरे हम एक दूसरे के बारे में और जानने लगे। वह किताब के बारे में मेरी बातों को पूरे ध्यान से सुनने लगा। लेकिन जब मैंने उससे पूछा कि 'अगर तुम्हें समरी रुचिकर लगती है तो क्या वास्तव में तुम किताब खरीदकर विषय को और गहराई से समझना चाहते हो? यहां पर उसने शर्माते हुए स्वीकार किया कि 'नहीं, मैं ऐसा नहीं करता।'यहीं पर मुझे लगा कि माइक्रो लर्निंग एप में कोई बात तो है। जब आपके पास ध्यान देने के लिए महज 3-4 मिनट ही हों, ऐसे में ये आपको अधिक उपलब्धि का अहसास करा सकता है। यदि कंटेंट सही से गढ़ा हो, तो यह एक समय पर दिमाग में बहुत अधिक सूचनाएं आने से पड़ने वाले भार को भी कम कर सकता है। खासकर उस युवा जैसे व्यस्त एग्जीक्यूटिव्स को त्वरित उपलब्धि का अहसास भी कराता है, जो देखकर, सुनकर व तार्किक तरीके से सूचनाओं को ग्रहण करना पसंद करते हैं। एप्लाइड साइकोलॉजी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट विभाग के प्रोफेसर्स कहते हैं कि तात्कालिक उपयोग के लिए माइक्रो लर्निंग एप अच्छे हैं।ये साबित हुआ है कि किसी एक विषय पर एक किताब के सारांश से दूसरे पर कूदने की तुलना में लंबे समय का अध्ययन अधिक समग्रता वाली समझ व ज्ञान विकसित करता है। यह आपको तत्काल बौद्धिक समृद्धता का अहसास कराता है। लेकिन इन प्रोफेसरों का कहना है कि 'विशेषतः जो लोग लंबे समय तक ढेर सारे एप का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें जरूरत के वक्त महत्वपूर्ण सूचना की कमी का अहसास होता है। फंडा यह है कि माइक्रो लर्निंग एप्स उपयोगी हैं, लेकिन तभी, जब उन्हें ज्ञान के विकल्प के बजाय ज्ञान में सहायक के तौर पर उपयोग किया जाए।

हमारे जीवन के छोटे-छोटे आश्चर्यों को हल्के में न लें

यदि मैं आपसे पूछूं कि आपके जीवन में किन-किन चीजों की कमी है, तो आपकी सूची कितनी लंबी होगी? मेरी तो बहुत लंबी है। सबसे पहले तो मुझे कावेरी नदी की कमी खलती है। 60 से 90 के दशक के बीच यह बारहों

महीने बहने वाली नदी हुआ करती थी, लेकिन अब यह कभी-कभी सूख जाती है। मुझे लगता था कि तमिलनाडु के कुम्भकोणम स्थित मेरे गृहनगर में यह हमेशा यूं ही लबालब बहती रहेगी। मुझे वह पोंगल भी बहुत याद आता है, जो मुझे हर सुबह 6 बजे कावेरी के किनारे स्थित गणपति मंदिर में प्रसाद के रूप में मिलता था। नदी में तैरने के बाद उस गरम पोंगल का स्वाद दो कारणों से हमेशा दिव्य लगता था- एक, तैरने से भूख बढ़ जाती है और दो, भगवान का आशीर्वाद उनके प्रसाद को और स्वादिष्ट बना देता है। मुझे वह वडा-सांभर भी याद आता है, जो बचपन में रविवार को मेरे नाना मुझे खिलाते थे। वेंकटा लॉज नाम के एक रेस्तरां में वह एक आने (छह पैसे) का मिलता था। वहां वेटर एल्युमीनियम की एक बाल्टी लेकर खड़ा रहता था और वह बिना मुंह बनाए जितना चाहो उतना सांभर परोस देता था। ये मेरे जीवन के छोटे-छोटे आश्चर्य थे। मैंने हमेशा इन्हें हल्के में लिया, लेकिन आज जब मैं अतिरिक्त सांभर की एक छोटी कटोरी के लिए 5 रुपये देता हूं, तो मुझे वह बाल्टी और उस वेटर का चेहरा याद हो आता है। समय के साथ ये सब धीरे-धीरे पृष्ठभूमि में विलीन हो गए। वह रेस्तरां अभी तक ?अपने मूल मालिकों के बाद तीन नए मालिक देख चुका है, और नए मालिक के बच्चे इसे किसी और बिजनेस में बदल सकते हैं।इससे और बड़े स्तर पर मुझे अरब सागर और उसके समुद्र तटों की कमी खलती है। ऐसा नहीं कि समुद्र कहीं चला गया है- वो अब भी व?हां मौजूद है- लेकिन मेरा काम मुझे अकसर- यहां तक कि रविवार को भी- उस समुद्रतटीय-मुम्बई से दूर ले जाता है, जहां मैंने रहने का चयन किया है। लोग जीवन के आश्चर्यों को हल्के में लेते हैं। लेकिन वे हर रूप और आकार में हमारे सामने आते हैं। बड़े आश्चर्य विस्मयकारी हो सकते हैं, लेकिन छोटे आश्चर्यों से हमारा जीवन बनता है। हमारी जीवन-यात्रा का दुःखद पहलू यह है कि इन छोटे-छोटे आश्चर्यों की गुम हो जाने की बुरी आदत होती है।

गांव की छोटी-छोटी झोपड़ियों का सड़क किनारे बने प्रवेश-द्वार वाले दो-तीन मंजिला कंक्रीट के ढांचों में बदल जाना एक ग्रामीण सौंदर्य को हमसे दूर ले गया है- नगर पालिका की बस के तेज गति से गुजरने पर उड़तीं मुर्गियां; सुबह के समय ताजे भोजन की प्रतीक्षा में घर के बाहर बैठी गाय; इधर-उधर सुस्ताता, अपने पैरों को खींचता और कभी-कभी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए भौंकता कोई कुत्ता; गुजरती हुई साइकिलों की घंटियों की आवाजें और बाहर खड़े दशकों पुराने पेड़ पर चहचहाते पक्षी। हाल ही में जब मेरी बेटी आई तो मैं उसे विशेष रूप से नागपुर में अपने स्कूल ले गया और उसे उसी बेंच पर बैठाया, जहां मैं पढ़ता था। मैंने उससे स्कूल के बाहर टोकरी लेकर बैठी बुजुर्ग महिला से बेर खरीदवाए। उससे एक छोटे-से हनुमान मंदिर के सामने उसी तरह खड़े होकर प्रार्थना करवाई, जैसे मैं परीक्षा देने से पहले किया करता था। और उसे यह सब बहुत पसंद आया। अतीत की याद जगाने वाली जगहों के बारे में भावुक हो जाना और उनकी स्मृति को जीवन भर संजोए रखना सहज है। उम्र बढ़ने के साथ मुझमें यह प्रवृत्ति और गहराती चली गई है। यही कारण है कि जीवन के छोटे-छोटे आश्चर्यों को पहचानना और जहां तक संभव हो, उन्हें संजोए रखना बहुत जरूरी है। एक उदासीन, अनाम दुनिया और एक ऐसी दुनिया, जिसमें जीवन और मौलिकता की दमक हो और जिसे जीने का आनंद लिया जा सके- इन दोनों में बहुत फर्क है। लेकिन याद रखने वाली इकलौती बात यह है कि गांव के स्कूलों के बाहर बेर बेचने वाली बुजुर्ग महिला केवल नकद ही स्वीकार करेगी, क्योंकि वह सीमित लाभ पर काम करती है और डिजिटल भुगतान लेकर कमीशन नहीं दे सकती। फंडा यह है कि हमारे स्थानीय, छोटे-छोटे आश्चर्यों को हल्के में न लें। रविवार को बच्चों को साथ ले जाएं और उन्हें दिखाएं कि आप इन आश्चर्यों के बीच कैसे बड़े हुए हैं! एन. रघुरामन

देश आने वाले कल की नई कृषि-व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है

कृषि क्षेत्र करोड़ों लोगों को

आजीविका देता है। साथ ही, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का प्रमुख आधार भी है। ऐसे में राष्ट्र की प्रगति के लिए हमारे किसान भाइयों-बहनों की उन्नति आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कृषि और किसान कल्याण को नीति-निर्माण की सर्वोच्च प्राथमिकता में स्थान दिया है। किसानों की मेहनत को उचित सम्मान मिले, उनकी फसल को सही दाम मिले और उनका जीवन खुशहाली से भरा हो, इसके लिए केंद्र सरकार संकल्पित है। बीते दशक में केंद्र सरकार ने किसान कल्याण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं, जिनसे न केवल किसानों की आय बढ़ी, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी सुदृढ़ हुआ है। चाहे न्यूनतम समर्थन मूल्य में अभूतपूर्व वृद्धि हो, फसलों की खरीद में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो या तकनीकी नवाचारों के माध्यम से खेती को आधुनिक बनाने का प्रयास; सरकार ने हर क्षेत्र में किसानों के लिए दिन-रात काम किया है। किसान हितैषी नीतियों, तकनीकी के उपयोग, नवाचार और बाजार तक सुगम पहुंच के माध्यम से भारत टिकाऊ, समावेशी और भविष्य-उन्मुख कृषि-व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पहले के समय में हमारे किसान फसल लागत से नाममात्र का लाभ कमा पाते थे, पर प्रधानमंत्री ने स्पष्ट नीति बनाई कि हर फसल पर उसकी लागत से ऊपर, कम से कम 50इ मुनाफा सुनिश्चित होगा। आज खरीफ व रबी की प्रमुख फसलों के एमएसपी में 1.8 से 3.3 गुना तक की वृद्धि की गई है। इससे किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम मिलना सुनिश्चित हुआ है। 2004-14 के मुकाबले 2014-2025 के दौरान एमएसपी पर खरीदी गई फसलों की मात्रा और भुगतान में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। सरकार ने केवल एमएसपी बढ़ाने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि यह लाभ सीधे किसानों के खाते में पहुंचे। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हमने पारदर्शिता और गति के साथ किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम दिलाया है। यह एक ऐसी कृषि क्रांति है, जो हमारे किसान भाइयों-बहनों का जीवन व खेती की दशा-दिशा बदल रही है। अब किसान निश्चिंत होकर खेती करता है, क्योंकि उसे पता है कि उसकी फसल का उचित मूल्य व समय पर भुगतान सुनिश्चित मिलना है। आज केंद्र सरकार बीज से बाजार तक, हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसानों को अपनी मिट्टी की सेहत जानने और सही फसल चुनने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक सुरक्षा दे रही है। ई-नाम के जरिए डिजिटल बाजार से जुड़कर किसानों को बेहतर दाम मिल रहा है। ड्रोन और स्मार्ट सिंचाई तकनीक खेती को आसान और आधुनिक बना रहे हैं। इसके साथ ही, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण और कृषि यंत्रों पर अनुदान के माध्यम से हमने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का हरसंभव प्रयास किया है। सरकार ने किसानों को ब्याज सहायता के तहत किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 3 लाख रुपए तक का अल्पकालिक ऋण 7फीसदी ब्याज पर उपलब्ध कराया है। यह समय से चुकाने पर 3फीसदी अतिरिक्त छूट मिलती है, जिससे प्रभावी ब्याज दर 4फीसदी रह जाती है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं, जिससे किसानों को सस्ता व सुलभ ऋण मिल रहा है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, ई-नाम, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रों पर अनुदान आदि के माध्यम से खेती को आधुनिक-टिकाऊ बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत मूल्य समर्थन योजना, मूल्य न्यूनता भुगतान योजना, बाजार हस्तक्षेप योजना और मूल्य स्थिरीकरण निधि को लागू किया गया है। मूल्य स्थिरीकरण निधि के तहत दलहन, तिलहन व कोपरा की एमएसपी पर खरीद सीधे किसानों से की जाती है। 2024-25 में सोयाबीन की 19.97 लाख मीट्रिक टन व मूंगफली की 17.73 लाख मीट्रिक टन खरीद की गई, जो अब तक की सबसे अधिक है। तकनीकी नवाचारों के साथ ये पहलें किसानों को आत्मनिर्भर, समृद्ध व खुशहाल बनाने की दिशा में मील का पत्थर हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं) (शिवराज सिंह चौहान)

हालात पहले से बेहतर पर हमें अभी और आगे बढ़ना है

मुल्क का वजूद उसके पुरुषार्थ-संकल्प से बनता है। न भूलें, बमुश्किल एक दशक पहले की हकीकत। अंग्रेजों का छोड़ा श्रेष्ठ डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर यहां था। पुरानी 41 ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां थीं। रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक 51 कंपनियां। फिर भी जवानों के पास बुलेटप्रूफ जैकेट और नाइट विजन ग्लासेस नहीं थे।कैग की टिप्पणी थी, वायु, रक्षा व आर्टिलरी के पास अति-आवश्यक हथियारों की कमी है। हथियार खरीदने (थल सेना) को 1500-2000 करोड़ ही बचते थे। रक्षा संसदीय समिति (2012, अप्रैल) ने स्वीकारा कि हथियारों की क्रिटिकल स्थिति है। कमेटी (2012-13) स्तब्ध थी कि नई खरीद के लिए बजट में लगभग 5520 करोड़ ही थे। रक्षा मंत्री (फरवरी 2014) का बयान था- नो मनी, मेजर डील्स विल हैव टु वेट। आजादी की 66वीं वर्षगांठ पर केरन-सांबा क्षेत्र में पाकिस्तानी घुसे। भारतीय जवानों की हत्या कर कुछेक का सिर काट ले गए। रक्षा मंत्री ने संसद में गलत सूचना के लिए माफी मांगी। खबर दबाई गई। अमेरिकी आदेश पर भारतीय प्रधानमंत्री पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से मिल रहे थे।वॉशिंगटन में। प्रधानमंत्री ने ओबामा से शिकायत की। नवाज शरीफ ने इसे 'देहाती औरत का रिरियाना' कहा। फिर पाक ने खंडन किया। इसके पहले के हालात (मुंबई ब्लास्ट वगैरह) समझने के लिए शिवशंकर मेनन की किताब है- 'चॉइसेस'। आज दुनिया ने (ऑपरेशन सिंदूर) में उसी भारत के स्वदेशी हथियारों की ताकत देखी। संसार की हथियार लॉबी, भारत के रक्षा कवच, इंटिग्रेटेड एयर कमान व

कंट्रोल सिस्टम देख हतप्रभ है। पाकिस्तान के हर घातक प्रहार को नाकाम करने वाली भारतीय स्वदेशी सुरक्षा तकनीक उन्होंने देखी। इसे विकसित किया है, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बेल) ने। इसी बेल की ईजाद अक्षयतीर एयरडिफेंस कंट्रोल सिस्टम है। यह है भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा-क्षमता व सामर्थ्य। 686 (2013-14) करोड़ रुपए के हथियार बेचने वाले भारत का आज रक्षा निर्यात 23622 करोड़ रुपए है। 2029 तक रक्षा निर्यात लक्ष्य 50000 करोड़ है। आज भारत कहां पहुंचा? ताजा रिपोर्ट (आईएमएफ) के मुताबिक दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था। भारत की जीडीपी अब 4.19 ट्रिलियन डॉलर है। 1971 में भारत व पाकिस्तान की जीडीपी में फर्क 57 अरब डॉलर था। आज 3.5 ट्रिलियन डॉलर है। पाकिस्तान पर 280 अरब डॉलर कर्ज है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय वायुसेना, अमेरिकन गोल्डन डोम व इजराइल के आयरन डोम से श्रेष्ठ रक्षा कवच विकसित करने में जुटी है। पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ स्वदेशी लड़ाकू विमान यहां बनने की घोषणा हुई है। हथियारों के प्रोडक्शन से आगे डिजाइन व डेवलपमेंट पर भारत कदम बढ़ा रहा है। जरूरत है कि हम अपने कामकाज की संस्कृति अव्वल बनाएं। वायुसेना चीफ की चिंता कि रक्षा प्रोजेक्ट समय से पूरे हों, वाजिब है। सेना, नौसेना, वायु सेना, अन्य एजेंसियां, इंडस्ट्री व डीआरडीओ एक बड़ी चेन की कड़ियां हैं। इनमें श्रेष्ठ समन्वय वक्त की जरूरत है। राष्ट्रीय चरित्र व प्रतिबद्धता से ही प्रभावी कार्यसंस्कृति बनेगी। अतीत ने देखा है कि निजी लाभ के लिए जयचंदों, मीर जाफरों, जगत सेठों वगैरह की संस्कृति यहां रही है। आज ज्योति मल्होत्रा, देवेंद्र सिंह व अरमानों की फौज मुल्क को कमजोर करने में लगी है। ब्रिटिश इतिहासकार जे.आर. सिली (1834-1895) की किताब है- 'द एक्सपांशन ऑफ इंग्लैंड'। उसमें लिखा है कि 'हमने (यानी अंग्रेजों ने) भारत को नहीं जीता, खुद भारतीयों ने ही देश को हमारी तश्तरी में रख दिया।' चौधरी चरण सिंह ने सिली की इस पुस्तक का अनुवाद बंटवाया था, ताकि हमारा राष्ट्रीय चरित्र निखरे। हम खुद का आत्मविश्लेषण करें। यह राष्ट्रीय चरित्र ही इतिहास लिखता है। भारत का स्वर्णिम इतिहास चरित्रवान, संकल्पवान व दूरदृष्टि वालों ने ही बनाया था। देश के वायुसेना प्रमुख की यह चिंता कि रक्षा प्रोजेक्ट समय से पूरे हों, पूरी तरह से वाजिब है। सेना, नौसेना, वायु सेना, अन्य एजेंसियां, इंडस्ट्री व डीआरडीओ एक बड़ी चेन की कड़ियां हैं। इनमें श्रेष्ठ समन्वय आज की जरूरत है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्या हम अब दो मोर्चों पर संघर्ष कर रहे हैं?

इतिहास हर एक जंग को एक नाम दे देता है। आधिकारिक तौर पर तो हाल के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विराम हो गया था, मगर लड़ाई 87 घंटे तक चली। भावी पीढ़ियों के लिए क्या इसे '87 घंटे की जंग' कहा जा सकता है? वैसे, मैं हैशटैग लायक कोई तीखा नाम देने की जगह विवरण देना चाहूंगा। जो कुछ हमने देखा, उसे दो मोर्चों पर जंग की शुरुआती चाल कहा जा सकता है। इसे आप ट्रेलर कह सकते हैं। ये चतुराई, धैर्य और सैन्य-ताकत के बूते चलने वाले लंबे युद्ध की पहली चालें हैं। चूंकि, पाकिस्तान ने इसकी शुरुआत की और वह पहलगाम में चीनी साजो-सामान, टेक्नोलॉजी और निर्देशन में लड़ा, इसलिए मैं कहूंगा कि वह सफेद मोहरों से खेल रहा था और चूंकि पहली चाल सफेद मोहरों वाला खिलाड़ी चलता है, इसलिए इस चाल को वह नाम दिया जा सकता है, जिसे शतरंज की भाषा में पहले पीके4 नाम दिया गया था और अब ई4 नाम दिया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि प्यादे को बादशाह के सामने दो घर दूर लाकर खड़ा कर दिया गया और प्रतिद्वंद्वी को इस चाल का जवाब देने के लिए निमंत्रित किया गया। इस चाल के जवाब में विदेशी नामों वाली कई तरह की रणनीति अपनाई जा सकती है, मसलन : इटालियन गेम, स्कॉच गेम या रुई लोपेज। मुझे जो नाम ज्यादा उपयुक्त लगता है, वह है 'किंग्स गैंबिट' (बादशाह का दांव) क्योंकि यह रणनीति ज्यादा आक्रामक है और इसमें कई तरह की चालें चली जा सकती हैं। पाकिस्तान और चीन मिलकर यह खेल खेल रहे हैं और उन्होंने एक प्यादे को आगे बढ़ा दिया है। किंग और क्वीन की ताकत के साथ प्यादा पाकिस्तान ठीक सामने आ खड़ा हुआ है, बादशाह के घुड़सवार और काउंसेल यानी चीन नेपथ्य में हैं। वह अब भारत की चाल का इंतजार कर रहे हैं। आत्म-संतोष कोई रणनीति नहीं हो सकती। समय बीत रहा है। तमाम तरह की खबरें बता रही हैं कि सेना ने भी 'रेड टीम' गठित कर ली है, जिसमें तेजतर्रार अधिकारियों के एक समूह को दुश्मन की तरह सोचने और जवाबी कार्रवाई करने का काम सौंपा जाता है। 'रेड टीम' की तरह सोचिए, अगली चाल क्या हो सकती है। हमारी सोच का बुनियादी आधार यह है कि हम दो मोर्चों पर लड़ने की दुविधा को लेकर सोच-विचार तो करते रहे हैं, लेकिन कभी यह नहीं सोचा कि एक ही समय दो मोर्चों पर लड़ना पड़ सकता है। 1962 में पाकिस्तान अलग रहा, पर बिना शर्त नहीं। उसने कश्मीर पर बात करने की मांग रखी, जो अमेरिका-ब्रिटेन के दबाव में शुरू भी हुई। 1965 और 1971 में और कारगिल के बाद चीन अधिकतर अलग ही रहा है, लेकिन अब प्यादे को जिस तरह बादशाह के सामने दो घर दूर लाकर खड़ा किया गया है, उससे मामला बदल गया है। दो मोर्चों पर लड़ाई जारी है, सिवाय इसके कि चीन सीधी लड़ाई लड़ने की जरूरत नहीं महसूस कर रहा है। उसे पाकिस्तान के रूप में एक योग्य और अनुकूल 'प्रॉक्सी' (एवजी) मिल गया है। वह इसे एक साल के अंदर कुछ खास, मसलन 5वीं जनरेशन के लड़ाकू विमानों के मामलों में भारत से आगे निकलने नहीं तो कम-से-कम बराबरी करने के लिए आधुनिक साजो-सामान बेचता रहेगा। उसके उपग्रह और दूसरे 'आईएसआर' (खुफियागिरी, निगरानी, टोही) संसाधन उसके आश्रित को उपलब्ध रहेंगे और मौके पर सलाह तो फौरन मिलती रहेगी ही। पाकिस्तान की ओर से अगली उकसाऊ कार्रवाई में हमेशा की तरह पांच-छह साल नहीं लगेंगे। यह इससे पहले ही की जाएगी, जनाब फील्ड मार्शल अपनी सियासी पूंजी गंवा दें इससे पहले। तार्किक रूप से 'रेड टीम' इस नतीजे पर पहुंच सकती है कि चीन को अब भारत से सीधी लड़ाई करने की जरूरत नहीं है। उसे सिर्फ पाकिस्तान को इतना कुछ देते रहना है कि वह उसकी ओर से लड़ता रहे। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में कोई भी रिपोर्ट पढ़िए, एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संकेत उभरता नजर आएगा। इस पूरे संघर्ष में आपने किसी अमेरिकी हथियार के इस्तेमाल की खबर नहीं पढ़ी होगी, एफ-16 विमानों के इस्तेमाल की भी नहीं। पूर्व चेतावनी और कंट्रोल सिस्टम से लैस स्वीडन के विमान चीनी इलेक्ट्रॉनिक्स से लदे हुए हैं। सो, इसे आप चीन बनाम भारत संघर्ष के रूप में देखें, जिसमें मोर्चे पर पाकिस्तानी सेना तैनात थी। दशकों से हम यही जानते रहे हैं कि चीन हमें दबाने के लिए पाकिस्तान का सस्ते में इस्तेमाल करता रहा है। यह रणनीति अब दो कदम आगे बढ़ चुकी है। पहला कदम यह था कि चीन पूर्वी लद्दाख तक आ धमका और हमने जो सेना पाकिस्तान के लिए रखी थी, उसके एक बड़े हिस्से को उसने वहां बांध दिया। दूसरा कदम पाकिस्तान की ओर से सीधी सैन्य चुनौती के रूप में उठाया गया। भारत ने जब इस 'पीके4' या 'ई4' वाली शतरंजी चाल का आक्रामक जवाब दिया तो दोनों पार्टनर पीछे हट गए। जैसा कि सीडीएस अनिल चौहान ने पुणे में दिए एक लेक्चर में कहा, उन दोनों ने सोचा होगा कि 9/10 मई की रात में उन्होंने रॉकेटों/मिसाइलों से जो हमले शुरू किए, वह भारत को घुटने टेकने पर मजबूर कर देंगे। यह दांव जब नाकाम रहा, उनके सभी रॉकेटों/मिसाइलों को मार गिराया गया और भारत की ओर से विध्वंसक जवाब ने पीएएफ को धूल चटा दी और उसके अड्डे तहस-नहस कर दिए, तब बुद्धिमानी संघर्ष विराम करने में ही थी। उनकी 'रेड टीम' अब सोच रही होगी कि अगले मुकाबले के लिए किस तरह तैयारी की जाए। अब उन्हें इन बातों के कारण चिंता होगी : भारत का बहुस्तरीय एयर डिफेंस, जिसकी अगुआई पीएएफ की मिसाइलों की पहुंच से काफी दूर एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइलें करती हैं; चीनी एचक्यू-9 समेत उनकी अपनी एयर डिफेंस की कमजोरी और एंटी-रेडिएशन ड्रोनों के इस्तेमाल से उनकी मिसाइलों को नाकाम या नष्ट करने की भारत की क्षमता। निश्चित मानिए कि चीन और पाकिस्तान मिलकर इन खामियों को दूर करने की जुगत भिड़ा रहे होंगे! कह सकते हैं कि पाक अब चीन की पश्चिमी कमांड है ... चीन पाकिस्तान को अब अपने पश्चिमी थिएटर कमांड के रूप में देखता है। मैं तो यहां तक कहना चाहूंगा कि चीनी सेना पीएलए पाकिस्तान को अपने सबसे नए, छठे थिएटर कमांड के रूप में देखेगी। इसे भारत को उलझाए रखना होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

विवादों में घिरे यूट्यूब से जुड़े 5 पहलुओं की समझ जरूरी

चीनी उत्पादों के वर्चस्व पर चिंता के बीच सीसीटीवी कंपनियों से जासूसी रोकने के लिए कंपनियों को कैमरे का हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, सोर्स कोड सरकारी लैब में जांच के लिए देना पड़ सकता है। सूचना, संचार और मीडिया में अमेरिकी डिजिटल कंपनियों का कब्जा भी बेहद चिंताजनक है। इसी परिप्रेक्ष्य में विवादों में घिरे यूट्यूब से जुड़े 5 पहलुओं की समझ जरूरी है। विदेशी कंपनी : भारत में 49 करोड़ यूजर्स वाले यूट्यूब ने 2022-2024 में कंटेंट क्रिएटर्स को 21000 करोड़ रु. से ज्यादा का भुगतान किया। यह प्रिंट या टीवी मीडिया के किसी भी ग्रुप की कुल आमदनी से कई गुना ज्यादा है। केंद्र सरकार के नए नियम के अनुसार विदेशी फंडिंग लेने वाले एनजीओ अखबार नहीं छाप सकते। लेकिन भारत में सबसे बड़ा मीडिया साम्राज्य स्थापित करने वाले यूट्यूब का टीवी या अखबार जैसा कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है। उपभोक्ता अदालत के फैसले के खिलाफ वॉट्सएप ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील में कहा कि भारतीय अदालतों का अमेरिकी कंपनी पर क्षेत्राधिकार नहीं है। यूट्यूब भी अमेरिकी कानून से संचालित होकर भारत की पुलिस और अदालतों के क्षेत्राधिकार से बाहर रहने की कोशिश करता है। जासूसी : 4 यूट्यूब चैनलों में 41 करोड़ सब्स्क्राइबर्स वाले अमेरिका के मिस्टर बीस्ट के पास टॉम क्रूज और शाहरुख खान से ज्यादा संपत्ति है। यूट्यूब से कमाई को देखकर भारत में भी रील बनाने वालों की बाढ़ आई है। भारत में 15000 यूट्यूब चैनल ऐसे हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 10 लाख से ज्यादा सब्स्क्राइबर्स हैं। मुनाफे की अंधी दौड़ में इनमें से अनेक आपराधिक और देश-विरोधी गतिविधियों में भी लिप्त रहते हैं। शेयर मार्केट में इन्फ्लुएंसर्स से बढ़ रहे फ्रॉड और फर्जी कंटेंट को रोकने के लिए सेबी ने अनेक निर्देश जारी किए हैं। दिल्ली पुलिस, मेट्रो और रेलवे ने रील बनाने के खिलाफ सख्त निर्देश जारी किए हैं। गिरफ्तार यूट्यूबर्स की जासूसी से जुड़े मुकदमों में सरकार को अदालत में यह साबित करने में मुश्किल हो सकती है कि सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध जानकारी को विदेश में साझा करने से किस कानून का उल्लंघन हुआ है? कॉपीराइट : कंटेंट आईडी टूल के माध्यम से कॉपीराइट उल्लंघन का पता चलने पर तीन स्ट्राइक के बाद यूट्यूब खाते पर रोक लग सकती है। एएनआई के साथ विवाद पर यूट्यूबर्स के तीन तर्क हैं। कॉपीराइट कानून में फेयर यूज के अनुसार कम समय की वीडियो क्लिपिंग का इस्तेमाल हो सकता है। दूसरा, कॉपीराइट के उल्लंघन के मामले में एएनआई उस वीडियो की आमदनी पर दावा कर सकती है। तीसरा, यूट्यूब चैनल पर मनमाने तरीके से रोक लगाना अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला है। अमेरिका में कॉपीराइट उल्लंघन के मामले में यूट्यूब चैनल को ब्लॉक नहीं किया जाता। यह भी समझना जरूरी है कि गूगल और सोशल मीडिया कंपनियों के सारे एआई प्लेटफॉर्म भारत में जनता और सरकार के डेटा का गैर-कानूनी तरीके से व्यावसायिक इस्तेमाल करके कॉपीराइट कानून को धता बता रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर यूट्यूब से हो रही आमदनी में भारत के पब्लिशर्स और सरकार के साथ टेक कंपनियों की रेवेन्यू शेयरिंग क्यों नहीं होनी चाहिए? टैक्स चोरी : साल 2016 में गूगल इंडिया ने भारत में नंबर एक कंपनी का दर्जा हासिल करने के लिए 4.29 लाख करोड़ की आमदनी का आंकड़ा दिया था। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के हलफनामे के अनुसार गूगल इंडिया 5904 करोड़ की आमदनी पर ही टैक्स देती थी। विवाद बढ़ने के बाद गूगल ने अगले साल से रैंकिंग वाली कम्पनियों के चार्ट में आमदनी के आंकड़े देना बंद कर दिया। गौरतलब है कि ग्राहक फीस और विज्ञापन के अलावा भारत के 50 करोड़ लोगों के डेटा के कारोबार से अरबों डॉलर कमाने वाली टेक कंपनियां डेटा शेयरिंग के अनुबंधों पर जीएसटी और दूसरे टैक्सों का भुगतान नहीं करतीं। सरकारी कंटेंट : नेता, अफसर, सरकार और पार्टियों के यूट्यूब चैनल में अमूमन विज्ञापन नहीं होने की वजह से आमदनी नहीं होती। लेकिन ऐसे वीडियोज का इन्फ्लुएंसर और दूसरी कंपनियां इस्तेमाल करके बड़े पैमाने पर आमदनी करती हैं।

1000 से शुरुआत, हर महीने 4 लाख रुपए कमाई,केरलम में ऐसी 46 लाख कुडुंबश्री दीदियां

लेफ्ट के वोट में कैसे सेंध लगाएगी बीजेपी

तिरुवनंतपुरम। शुरुआत बिंदू की कहानी से। तिरुवनंतपुरम के पल्लीचल गांव में रहने वाली बिंदू की शादी 16 साल की उम्र में हो

गई थी। ससुराल में खाने के भी लाले थे। बिंदू पढ़ी-लिखी थीं। बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने लगीं। पहली कमाई 10 रुपए थी। धीरे-धीरे कमाई बढ़ी, तो बिंदू संस्कृत से ग्रेजुएशन करने लगीं। वहीं उनके आचार्य ने आयुर्वेद बिजनेस का आइडिया दिया। बिंदू ने सास से एक हजार रुपए उधार लिए। केरलम सरकार की कुडुंबश्री योजना से मदद ली और काम शुरू कर दिया। ये 2006 की बात है। अब बिंदू अपनी कंपनी चलाती हैं। 3 से 4 लाख रुपए महीने का बिजनेस है। 40 से ज्यादा देशों के लोग उनसे बिजनेस मॉडल समझने आ चुके हैं। सब उन्हें दीदी बुलाते हैं। बिंदू मानती हैं कि उनकी लाइफ कुडुंबश्री ने बदली है। केरलम सरकार की इस योजना से 46 लाख से ज्यादा महिलाएं जुड़ी हैं, यानी राज्य के हर दूसरे घर में एक कुडुंबश्री मेंबर है। ये महिलाएं बिजनेस तो चलाती ही हैं, साथ में चुनाव लड़ती भी हैं और हार-जीत तय भी करती हैं।

2021 में चुनाव जीतने वाले गठबंधन लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट यानी एलडीएफ को 48फीसदी महिलाओं ने वोट दिए थे। ये मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की सत्ता में वापसी की बड़ी वजह मानी गई। नवंबर 2023 से नवंबर 2025 में देश के 15 राज्यों में चुनाव हुए हैं। इनमें से 10 में महिलाओं को पैसे देने वाली कैश स्कीम लागू की गईं या वादा किया गया। 10 में से 9 राज्यों में योजना कारगर रही।मध्यप्रदेश, बिहार, हरियाणा, झारखंड, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, ओडिशा में महिलाओं के लिए हर महीने पैसे वाली स्कीम लाने वाली पार्टियों को एकतरफा जीत मिली। केरलम की 140 सीटों के लिए 9 अप्रैल को वोटिंग होनी है। यहां कुडुंबश्री गेमचेंजर हो सकती है। अब तक इस बिजनेस मॉडल पर लेफ्ट का कब्जा था, लेकिन अब कांग्रेस और बीजेपी भी सेंधमारी कर रही हैं। बिंदू की आयुराज इंडस्ट्री के नाम से आयुर्वेद कंपनी है। वे 15 तरह के प्रोडक्ट बेचती हैं। 5 प्रोडक्ट ब्राह्मी के हैं, जिसमें हेयर ऑयल, फेसवॉश, शहद, जैम, मिक्स पैक शामिल हैं। बिंदु केरलम में आयुर्वेद

आइकॉन बन चुकी हैं। कुडुंबश्री से जुड़ी महिलाओं को ट्रेनिंग देने जाती हैं। 2012, 2014, 2016 में राज्य और केंद्र सरकार से बेस्ट आंत्रप्रेन्योर अवॉर्ड मिला है। आयुर्वेद पर किताब लिख रही हैं। बिंदू बताती हैं, 'पहली बार ब्राह्मी ऑयल बनाकर फ्री में पड़ोसियों को दिया था। उन्हें बहुत पसंद नहीं आया। तभी पता चला कि तिरुवनंतपुरम में कुडुंबश्री फेयर लगा है। वहां स्टॉल लगाया। 24 बॉटल ऑयल तैयार किया था। 2 घंटे में सब बिक गया। इसी से हिम्मत बढ़ी। मैं कुडुंबश्री मिशन से जुड़ गई। वहां से लोन लेकर घर में मशीन लगवाई। काम चल निकला।'केरलम में बिंदु की तरह लाखों कहानियां हैं। इससे जुड़ी महिलाओं के बिजनेस हैं, वे कैंटीन, जूस का प्लांट चलाती हैं। 17 मई, 1998 को शुरू हुआ। तब एलडीएफ के ईके नयनार मुख्यमंत्री थे। योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने मल्लापुरम से की थी। योजना का मकसद गरीबी खत्म करना और महिलाओं को आर्थिक तौर पर मजबूत बनाना था। अब ये मिशन दुनिया में महिलाओं का सबसे बड़ा ग्रुप बन चुका है।

वाउट हाउस के नीचे अंडरग्राउंड आर्मी कॉम्प्लेक्स बना रहे ट्रंप,द्वितीय विश्व युद्ध के बंकर की लेगा जगह

वॉशिंगटोन। ईस्ट विंग के नीचे द्वितीय विश्व के जमाने में राष्ट्रपति

के लिए सैन्य बंकर का निर्माण किया गया था। नया अंडरग्राउंड कॉम्प्लेक्स उसकी जगह लेगा। बताया जा रहा है कि नए अंडरग्राउंड कॉम्पलेक्स में परमाणु हमले और ड्रोन हमले से भी बचने का इंतजाम होगा।

अंडरग्राउंड कॉम्प्लेक्स को कवर करेगा बॉलरूम-रविवार को ट्रंप ने कहा, असल में बॉलरूम को उस चीज के लिए बस कवर का काम करेगा, जो इसके नीचे बनाई जा रही है। ट्रंप ने बॉलरूम के डिजाइन की तस्वीर दिखाई, जिसने मूल ईस्ट विंग की जगह ली है। ट्रंप ने कहा कि बॉलरूम बुलेट प्रूफ और ड्रोन प्रूफ होगा। यह नई ईस्ट विंग बिल्डिंग का ज्यादातर हिस्सा घेरेगा।हालांकि, ट्रंप के फैसले की काफी आलोचना हुई है, जिसमें उन्होंने बॉलरूम बनाने के लिए ईस्ट विंग को गिराने का फैसला किया था। कुछ लोगों का कहना है कि फैसला लेने से पहले राष्ट्रपति को संबंधित आयोगों से अनुमति लेनी चाहिए थी।ईस्ट विंग के नीचे पुराना बंकर क्या था? द्वितीय विश्वयुद्ध के समय अमेरिका के राष्ट्रपति रहे फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने ईस्ट विंग के नीचे एक बंकर बनवाया था। इसे प्रेसिडेंशियल इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर कहा जाता था, जिसका उद्देश्य किसी आपात स्थिति में राष्ट्रपति के लिए एक सुरक्षित शेल्टर और कम्युनिकेशन सेंटर के रूप में काम करना था।

नालंदा के मंदिर में भगदड़, 9 की मौत,इनमें 8 महिलाएं,राष्ट्रपति की सुरक्षा में 2500 जवान

कई लोग भीड़ के नीचे दब गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसे के बाद पुलिस और एंबुलेंस को पहुंचने में भी देर हुई। महिला भक्तों ने बताया कि चैत्र महीने का

ये आखिरी मंगलवार है। यहां मेला लगा था। भीड़ ज्यादा हो गई। मंदिर का गर्भगृह भी छोटा है। लोग जल्दी-जल्दी दर्शन करने के लिए एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में थे। कोई लाइन में लगकर पूजा नहीं करना चाह रहा था।दूसरे श्रद्धालु ने बताया, 'सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया गया था। मंदिर के अंदर भारी भीड़ थी। पुलिस का जवान अंदर तैनात नहीं था। भीड़ को डायवर्ट करने या दो लाइनों में बांटने की कोई व्यवस्था नहीं थी। मंदिर के पुजारी ही जल्दी-जल्दी दर्शन कर निकलने को कह रहे थे। इस बीच एक महिला को चक्कर आ गया, जिससे वो वहीं गिर पड़ी। कुछ लोग उसे संभालने लगे, और भीड़ को पीछे करने की कोशिश की। इस दौरान भगदड़ मच गई।'मंदिर में मौजूद एक श्रद्धालु ने बताया, 'भगदड़ के बाद कई महिलाएं बेहोश पड़ीं थीं। कुछ दर्द से चिल्ला रहीं थीं। लोगों ने पुलिस को खबर की। पहले 2-3 पुलिस वाले पहुंचे। उनके साथ मिलकर श्रद्धालुओं ने घायल

महिलाओं को किनारे लिटाया। कई बार एंबुलेंस के लिए फोन किया गया। घटना के करीबब 40 मिनट बाद पहली एंबुलेंस पहुंची और पुलिस के कुछ अफसर भी आए। इसके बाद घायलों को अस्पताल भिजवाया गया। महिलाओं को उठाते समय ही लग रहा था कि उनमें से कुछ की मौत हो गई है।'1. मंदिर प्रबंधन ने व्यवस्था नहीं की- आज चैत्र का आखिरी मंगलवार है। मघड़ा शीतला मंदिर में इस दिन हर साल भीड़ होती है, मंदिर प्रबंधन को इस बात की जानकारी थी, इसके बाद भी भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए अलग से कोई इंतजाम नहीं किया गया था। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग तक नहीं की गई थी। सुबह 8 से 9 बजे के बीच भीड़ अव्यवस्थित हो गई।2. चोर दरवाजे से दर्शन कराए जा रहे थे-बढ़ती भीड़ को कंट्रोल करने की बजाए मंदिर प्रबंधन और वहां मौजूद पुजारी फायदा उठा रहे थे। वे लोगों से पैसा लेकर पीछे के दरवाजे से माता का दर्शन कराने लगे। इन्हें रोकने वाला कोई नहीं था, ये अपनी मनमानी कर रहे थे। इसके कारण लोगों में नाराजगी बढ़ती चली गई। 3.10 हजार की भीड़, पुलिस-

प्रशासन की कोई व्यवस्था नहीं- मंदिर परिसर में न तो सुरक्षा का कोई इंतजाम था और न ही भीड़ को कंट्रोल करने के लिए किसी पुलिसकर्मी को तैनात किया गया था। मेले की पहले से जानकारी होने के बाद भी प्रशासन की तरफ से यहां किसी मजिस्ट्रेट को तैनात नहीं किया गया था। घटना स्थल से 30KM की दूरी पर राष्ट्रपति आने वाली थीं, वहां 8 जिले के ढाई हजार जवान तैनात किए गए थे।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने नालंदा पहुंचीं। राष्ट्रपति सुबह 11.20 से शाम 4.50 बजे तक नालंदा में रहेंगी। उनके कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई है। नालंदा के अलावा जहानाबाद, गया, पटना समेत 8 से अधिक जिलों से ढाई हजार से अधिक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को लगाया गया है। नालंदा के डीएम ने दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल सर्विसेज को हाई अलर्ट पर रखा गया था। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर डॉक्टरों और मेडिकल कर्मियों की तैनात की गई थी।

3 अप्रैल को भारतीय नौसेना में शामिल होगा स्टील्थ युद्धपोत तारागिरी,पड़ोसियों में खलबली

नयी दिल्ली। भारतीय नौसेना 3 अप्रैल का बड़ा इतिहास रचने जा रही है। भारतीय नौसेना में 3 अप्रैल, 2026 को स्वदेशी स्टील्थ युद्धपोत तारागिरी को शामिल किया जा रहा है। नौसेना के प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर यह जानकारी दी है। नौसेना ने 'द डेयरिंग ईगल' टाइटल देकर कहा है कि आत्मनिर्भर भारत का नया अध्याय शुरू हो रहा है। भारतीय नौसेना का स्वदेशी विकसित स्टील्थ युद्धपोत तारागिरी को 3 अप्रैल, 2026 को कमीशंड किया जाएगा। उस वक्त इसे चलाने वाले क्रू कहेंगे

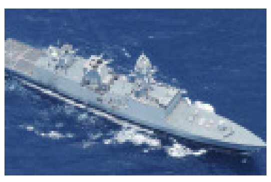

और समंदर सुनेंगे। नौसेना ने कहा है कि यह अवसर भारत की समुद्री संप्रभुता को डिफाइन करेगा। तारागिरी के आने से भारत की पूरी तरह स्वदेशी आत्मनिर्भर नौसैनिक क्षमता की ओर बढ़ेगा। इस युद्धपोत तारागिरी (एफ41) को नौसेना को दिए जाने का आयोजन विशाखापत्तनम में होगा। आयोजन की अध्यक्षता रक्षामंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।प्रोजेक्ट 17ए क्लास के चौथे प्लेटफॉर्म के रूप में तारागिरी केवल एक जहाज नहीं है। यह 6,670 टन का युद्धपोत है, जो मेक इन इंडिया के जज्बे को बताता है। साथ ही यह भारत के स्वदेशी शिपयॉर्ड्स की इंजीनियरिंग क्षमता को भी दर्शाता है। इस युद्धपोत के नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल होने से पाकिस्तान और चीन को टेंशन जरूर होगी।

असम में भाजपा का वादा- लव जिहाद पर एक्शन लेंगे,यूसीसी भी लागू करेंगे,बांग्लादेशी मुस्लिमों की कब्जाई जमीन वापस लेंगे

गुवाहटी। भाजपा ने मंगलवार सुबह असम के लिए मेनिफेस्टो (संकल्प पत्र) जारी किया। इसमें लव जिहाद पर

एक्शन, घुसपैठियों से कब्जाई जमीन वापस लेने, राज्य में यूसीसी लागू करने, युवाओं को 5 साल में 2 लाख नौकरियां देने का वादा किया है। पत्र में कुल 31 वादे किए गए हैं। इसके अलावा महिलाओं के लिए अरुनोदोई योजना के तहत हर महीने मिलने वाली राशि रु1250 से बढ़ाकर रु3 हजार करने का वादा किया है। लखपति दीदी योजना के तहत 40 लाख महिलाओं को रु25,000 तक की सहायता देने की भी योजना का ऐलान किया है। चुनाव से जुड़े अपडेट्स-तमिलनाडु के तंजावुर में सीएम एम के स्टालिन के वाहन की जांच की। स्टालिन खुद वाहन में मौजूद थे। टीवीके चीफ विजय और उनकी पार्टी के 5 हजार कार्यकर्ताओं पर चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज हुआ। असम के लिए कांग्रेस ने 5 गारंटियां जारी की हैं। इसमें महिलाओं को नकद सहायता, सीनियर सिटिजन को पेंशन, हर परिवार को रु25 लाख तक का हेल्थ कवर, गायक जुबीन गर्ग को 100 दिन में न्याय और 10 लाख स्वदेशी लोगों को जमीन का अधिकार देने का वादा शामिल है। केरलम में राहुल गांधी ने कहा, 'हम उस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जब केरलम की सीएम महिला

होगी। कांग्रेस चाहती है कि केरलम की महिलाएं अपने सपने पूरे करें और उन्हें अपनी पसंद का काम करने की पूरी आजादी मिले।' 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव से जुड़ी अपडेट्स-पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को लेटर लिखकर भाजपा पर 'वोटर हाईजैकिंग' की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में फर्जी फॉर्म-6 आवेदन देकर बाहरी लोगों को मतदाता सूची में जोड़ने की कोशिश हो रही है। ममता बनर्जी ने कहा कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस और विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में आवेदन जमा किए जा रहे हैं, जो सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा नहीं लगते। उनके मुताबिक, यह लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जहां 60 लाख से ज्यादा असली मतदाता आवेदन लंबित हैं, वहीं फर्जी आवेदनों को तेजी से निपटाया जा रहा है। साथ ही एसआईआर प्रक्रिया में खामियों के कारण 200 से अधिक लोगों की मौत का भी जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग से इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने और अंतिम मतदाता सूची (28 फरवरी 2026) के बाद किसी भी फर्जी नाम को जोड़ने से रोकने की मांग की है।केरल के कोझिकोड में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उनकी सरकार बनने पर राज्य

में बुजुर्गों को रु3,000 पेंशन दी जाएगी। उनके लिए एक अलग मंत्रालय बनाया जाएगा। राहुल ने कहा- जो भी युवा अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं या एंटरप्रेन्योर बनना चाहते हैं, उन्हें रु5 लाख तक का ब्याज-मुक्त लोन दिया जाएगा। ओमन चांडी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम नाम से एक नई योजना शुरू की जाएगी जिसके तहत हर परिवार को रु25 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा।दिल्ली में टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस के भाजपा में शामिल होने पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- यह जश्न मनाने का पल है कि ऐसे महान खिलाड़ी भाजपा में शामिल हुए हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप भाजपा के मंच पर एक बड़ी पारी खेलेंगे। आपके आने से खेलो इंडिया अभियान को और गति मिलेगी। पूर्व दिग्गज टेनिस स्टार लिएंडर पेस मंगलवार को भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने कहा- यह मेरे लिए खेल और युवाओं की सेवा करने का एक बड़ा मौका है। मैंने 40 साल तक देश के लिए खेला, अब युवाओं की सेवा करने का समय आ गया है। 'खेलो इंडिया' आंदोलन और टॉप्स योजना सचमुच बहुत बढ़िया हैं। मैं जानता हूं कि टोक्यो ओलंपिक में हमारे दल के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए किरण रिजिजू जी ने कितनी लगन से काम किया है। तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई में डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने कहा- हमने आक्रामक भक्त और आक्रामक पार्टी कार्यकर्ता तो देखे हैं, लेकिन एडप्पादी पलानीस्वामी बीजेपी के एक आक्रामक गुलाम के तौर पर सामने आए हैं। एआईएडीएमके नेता पीएम मोदी के अधीन हो गए हैं और तमिलनाडु में बीजेपी को लाने की कोशिश कर रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने चुनाव आयोग को दिए गए शपथ पत्र में अपनी पत्नी के नाम पर पाकिस्तान और लंदन में मौजूद संपत्तियों का खुलासा नहीं किया। सरमा ने गोगोई को चुनौती दी कि वे अपनी पत्नी के पाकिस्तानी बैंक खाते के लेन-देन का विवरण सार्वजनिक करें।केरलम की अशना थम्पी एट्टुमानूर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ रही हैं। वे साहित्य में ग्रेजुएट हैं और एसओसीआई (सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया) की कार्यकर्ता हैं। उनके चुनावी हलफनामे में उनकी कुल संपत्ति सिफ 84 रुपए बताई गई है। जिस दिन उन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया, उस दिन उनके पास नकद में 40 रुपए और बैंक खाते में 44 रुपए थे। वे अपनी विधानसभा में लोगों से मिल रही हैं। और खुद के लिए वोट मांग रही हैं। तमिलनाडु के करूर में चेन्नई से आई इनकम टैक्स की टीम ने डीएमके से जुड़े सेंथिल नाम के व्यक्ति के घर पर रखे उपहारों के लिए उचित दस्तावेजों की उपलब्धता की जांच करने के लिए मारा गया था। जब लोगों ने अधिकारियों से पूछा कि छानबीन में क्या मिला, इस पर उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी सेंथिल को दे दी गई है।

ईरान होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाएगा,नेतन्याहू बोले- जंग कब खत्म होगी, नहीं बता सकता

तेहरान। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का फैसला किया। ईरानी संसद की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्लान के तहत जहाज ईरान को उसकी राष्ट्रीय मुद्रा रियाल में टोल देंगे। इसका अलावा प्लान में अमेरिका और इजराइल से जुड़े जहाजों की एंट्री पर रोक लगाने का प्रावधान भी शामिल है। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी कानून नहीं बना है और इसे लागू होने से पहले संसद, गार्जियन काउंसिल और राष्ट्रपति की मंजूरी लेनी होगी। होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक तेल सप्लाई का अहम मार्ग है, ऐसे में इस फैसले

से अंतरराष्ट्रीय बाजार और ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ सकता है। इसी बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उन्हें नहीं पता ईरान के साथ चल रही जंग कब खत्म होगी। इसका समय तय नहीं किया जा सकता। न्यूजमैक्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने दावा किया कि युद्ध के आधे से ज्यादा टारगेट हासिल किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंत में ईरान का मौजूदा शासन कमजोर हो जाएगा। अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर में एक बड़े हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला सोमवार रात को किया गया। इसके लिए 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल हुआ। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि इस डिपो में बड़ी मात्रा में हथियार और सैन्य सामग्री रखी गई थी, जिसे निशाना बनाया गया। बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल मजबूत और भूमिगत ठिकानों को तबाह करने के लिए किया जाता है। हमले के बाद डिपो में रखे हथियारों में विस्फोट होने से कई धमाके हुए और इलाके में आग के बड़े गुबार उठे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी सोशल मीडिया पर धमाकों का एक वीडियो शेयर किया है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध का असर खाड़ी के वित्तीय बाजारों पर भी दिख रहा है। दुबई और अबू धाबी के शेयर बाजारों से अब तक करीब 120 अरब डॉलर की मार्किट वैल्यू कम हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई फाइनेंशियल मार्किट (डीएफएम) का जनरल इंडेक्स करीब 16फीसदी गिर चुका है, जिससे लगभग 45 अरब डॉलर की मार्केट कैप घट गई है। वहीं, अबू धाबी के एडीएक्स जनरल इंडेक्स में करीब 9फीसदी की गिरावट आई है, जिससे करीब 75 अरब डॉलर की वैल्यू कम हो गई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि युद्ध के चलते क्षेत्र में अनिश्चितता बढ़ी है, जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है और बाजारों में बिकवाली बढ़ी है। इस वजह से दुबई और अबू धाबी के बाजार दुनिया के सबसे ज्यादा प्रभावित वित्तीय बाजारों में शामिल हो गए हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने युद्ध के दौरान समर्थन देने पर

इराकी लोगों का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि इराकी जनता इस संघर्ष में मजबूती से ईरान के साथ खड़ी रही। उन्होंने अपने बयान में कहा कि यह समर्थन केवल भौगोलिक कारणों से नहीं, बल्कि साझा इतिहास, पहचान और धार्मिक मूल्यों की वजह से है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इराक के हश्द अल-शाबी (पीएमएफ़) से जुड़ा एक काफिला हाल ही में ईरान पहुंचा, जिसे मानवीय सहायता से जोड़ा गया है। ईरान से जुड़े हमलों के बाद आज खाड़ी देशों में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।

सऊदी अरब ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को नाकाम किया। वहीं दुबई पोर्ट पर कुवैत के ऑयल टैंकर में आग लगने की घटना सामने आई है। सऊदी अरब ने दावा किया कि उसने 8 बैलिस्टिक मिसाइलों और 10 ड्रोन को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। इनमें से कुछ मिसाइलें रियाद की ओर दागी गई थीं। सऊदी सिविल डिफेंस के मुताबिक, अल-खर्ज प्रांत में एक ड्रोन के मलबे से 2 लोग घायल हुए और 6 घरों को नुकसान पहुंचा। वहीं यूएई ने कहा कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइल और ड्रोन खतरों का जवाब दे रही है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

चीन ने अमेरिका और इजराइल से ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध को तुरंत रोकने की अपील की है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह सभी पक्षों से सैन्य कार्रवाई बंद करने और तनाव कम करने की मांग करता है। चीन ने परमाणु सुविधाओं पर हमलों का विरोध करते हुए कहा कि ऐसे कदम बेहद खतरनाक हैं। साथ ही, युद्ध में ऐतिहासिक स्थलों को हुए नुकसान पर भी चिंता जताई गई। बीजिंग ने कहा कि वह शांति बहाल करने के लिए अपने कूटनीतिक प्रयास जारी रखेगा। चीन ने यह भी बताया कि उसके तीन जहाज हाल ही में होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरे और इसके लिए संबंधित पक्षों का धन्यवाद किया।चेचन मिलिट्री यूनिट्स ने कहा है कि वे ईरान के समर्थन में तैनाती के लिए तैयार हैं। यह जानकारी ईरानी मीडिया प्रेस टीवी ने अपनी रिपोर्ट में दी है। चेचन लड़ाकों का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका के संभावित जमीनी हमले की अटकलें बढ़ रही हैं।ईरान को लेकर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने अपना युद्धपोत यूएसएस त्रिपोली हिंद महासागर में तैनात कर दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, इस जहाज पर करीब 1800 मरीन सैनिक मौजूद हैं। यूएसएस त्रिपोली एक एम्फीबियस असॉल्ट शिप है, जो सैनिकों और सैन्य उपकरणों के साथ बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने में सक्षम है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका मिडिल ईस्ट में अतिरिक्त सैनिक भी भेज रहा है, जिससे क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां तेज हो रही हैं। इस तैनाती को ईरान के खिलाफ संभावित जमीनी ऑपरेशन की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है।

कॉमेडियन सुनील पाल की इवेंट में बेइज्जती,गुलदस्ता देने के लिए मंच पर बुलाया, फिर अपमान किया और हाथ से माइक छीना

मशहूर कॉमेडियन सुनील पाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें उनके साथ बुरा व्यवहार किया गया। वीडियो एक इवेंट का है, जहां उन्हें गुलदस्ता देने के लिए मंच पर बुलाया गया और बाद में बेइज्जती कर उतरने को कहा गया। वायरल वीडियो मुंबई में हुए एक मुशायरे का है, जहां कुछ कवि मंच पर बैठे हैं। एक शख्स सुनील पाल को गुलदस्ता देने के लिए बुलाता है। वह झुककर आभार जताते हैं और माइक पर धन्यवाद कहना चाहते हैं, लेकिन से ही वह माइक पकड़ते हैं, शख्स उनका हाथ हटाकर कहता है, एक सेकेंड, आप स्टेज से उतरिए। इसके आगे कुछ नहीं, जितना किया है उतना है, आप बैठ जाइए जाकर।इस पर सुनील कहते हैं, 'शुक्रिया तो कहने दें'। शख्स अपमानित लहजे में कहता है, 'आप बैठिए जाकर', और उनका माइक छीनकर जबरदस्ती उतार देता है। वीडियो में सुनील पाल बार-बार शुक्रिया कहने की विनती करते हैं, लेकिन शख्स उन्हें उतरने को कहता रहता है।इस पर कॉमेडियन बिना माइक मंच से शुक्रिया कहते हैं और शख्स से कहते हैं, 'आपका दिल कितना छोटा है।' इसके बाद वह मुस्कुराते हुए ऑडिटोरियम से बाहर चले जाते हैं।इस दौरान ऑडियंस भी शख्स से सुनील पाल को बोलने देने की अपील करती रही, लेकिन बात नहीं मानी गई। यह वीडियो 17 जनवरी 2026 का है, जब वह इस्कॉन जुहू के मुशायरे में शामिल थे।

धुरंधर एक्टर पर महिला भड़कीं बोलीं- शर्म आनी चाहिए, हिंदू होकर कौम को डरपोक कहा

मुंबई। फिल्म धुरंधर और धुरंधर 2 में पाकिस्तानी आतंकवादी जहूर मिस्त्री का किरदार निभाने वाले विवेक सिन्हा को एक डायलॉग के चलते आलोचना का सामना करना पड़ा। एक महिला ने नाराजगी जताते हुए उनके हिंदू होने पर सवाल उठाए और कहा कि उन्हें शर्म आनी चाहिए, जिसके जवाब में एक्टर ने मजेदार रिएक्शन दिया है। फिल्म में विवेक सिन्हा का एक डायलॉग है, हिंदू कौम बहुत डरपोक होती है। इस पर एक महिला ने इंस्टाग्राम पर मैसेज कर लिखा, आपको शर्म आनी चाहिए, एक हिंदू होकर चंद पैसों के लिए हिंदू के लिए ऐसा बोल रहे हैं।पीटीआई को दिए इंटरव्यू में विवेक सिन्हा ने ये मजेदार वाक्या शेयर करते हुए कहा, 'मुझे लगा कि रिप्लाई करूं, फिर सोचा छोड़ दूं, लेकिन बाद में जवाब दिया। मैंने उसे वॉइस नोट भेजा। सच में मैं कहना चाहता हूं कि फिल्में समाज का आइना हैं और हम अलग-अलग किरदार दिखाते हैं। अगर एक खतरनाक आतंकवादी बिना डर भारत में घुसता है, तो हमें उसका ऐसा ही किरदार दिखाना होगा। अगर उसकी सोच दिखानी है, तो 'हिंदू एक डरपोक कौम है' जैसी बात उसी नजरिए से दिखाई जाती है। ये फील है उसका। हिंदू मुस्लिम यही तो चल रहा है।"तो मैंने उसे यही वॉइस नोट छोड़ा कि अगर हमें ये दिखाना है तो क्या हम शूटिंग के लिए किसी पाकिस्तानी को बुलाकर लाएं। किसी आतंकवादी को कॉल कर शूटिंग के लिए बुलाया जाएगा क्या। हमें ही तो वो रोल करना पड़ेगा ना।

'आगे वो कहते हैं, 'हम यही दिखाना चाहते हैं न कि विलेन कितना क्रूर हो सकता है। अगर फिल्म में किसी को मर्डर करते दिखाना है, तो हम क्या जेल से किसी ऐसे बंदे को लाएं, जिसने असल में 5 मर्डर किए होंगे। मैंने उस महिला को वही नोट डाला, लेकिन फिर उसका कोई जवाब नहीं आया, वो समझ गई थी।' बता दें कि फिल्म धुरंधर में विवेक सिन्हा ने जहूर मिस्त्री का किरदार निभाया है, जो इंडियन प्लेन हाईजैक कर, यात्रियों के बदले कुछ पाकिस्तानी आतंकवादियों को छोड़ने की डिमांड करते हैं। पॉपुलर डायलॉग, 'पड़ोस में रहते हैं हम, गूदे भर का जोर लगा लो और बिगाड़ लो जो बिगाड़ सकते हो', भी विवेक सिन्हा पर ही फिल्माया गया है।

बेटी अपनी उम्र से ज्यादा मैच्योर बातें करती है:उसकी ये समझदारी अच्छी है या चिंता की बात, क्या करना चाहिए?

नयी दिल्ली। समझेंगे मामले को एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी से सवाल जवाब के माध्यम से- सवाल- मैं लखनऊ से हूं। मेरी 13 साल की बेटी काफी समझदार है। लेकिन कई बार वह ऐसी बातें करती है, जो उसकी उम्र के मुकाबले काफी ज्यादा मैच्योर होती हैं। कभी वह रिश्तों, जिम्मेदारियों या जिंदगी को लेकर ऐसी बात बोल देती है कि लगता है कि इतनी छोटी लड़की के दिमाग में ये बात कैसे आई।कभी उसकी समझदारी पर खुशी होती है तो कभी चिंता। मैं समझ नहीं पा रही कि यह समझदारी का संकेत है या कुछ और। कुछ समय से मैंने एक बात नोटिस की है कि अब वह जरूरत से ज्यादा जिम्मेदार, गंभीर और चुप रहने लगी है। क्या यह नॉर्मल डेवलपमेंट का हिस्सा है या इसके पीछे कोई अन्य कारण हो सकता है। बतौर पेरेंट मुझे क्या करना चाहिए? जवाब- आपकी चिंता वाजिब है। अक्सर जब कोई बच्चा अपनी उम्र से ज्यादा मैच्योर बातें करता है तो पेरेंट्स इसे 'सयानापन' मानकर इग्नोर कर देते हैं। लेकिन आप एक समझदार पेरेंट हैं, जो इसके पीछे के मनोवैज्ञानिक कारणों को जानना चाहती हैं।सबसे पहले तो यह समझिए कि 13 साल की उम्र बहुत सेंसिटिव होती है। बच्चा 'किशोरावस्था' की दहलीज पर कदम रख रहा होता है। इस उम्र में बच्चे का ब्रेन बहुत तेजी से विकसित हो रहा होता है। खासकर वह हिस्सा, जो सोचने-समझने, सवाल करने और भविष्य के बारे में विचार करने से जुड़ा होता है। इसलिए इस उम्र में बच्चे हर विषय पर अपनी राय रखना चाहते हैं। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। हालांकि इसके पीछे के कारणों को आइडेंटिफाई करना जरूरी है। कई बार ऐसा होता है कि जब बच्चे घर में अक्सर समझदारी और जिम्मेदारी भरी बातें सुनते हैं तो वे सोचते हैं कि उन्हें भी 'समझदार' बनना पड़ेगा। इसके अलावा आज की पीढ़ी सोशल मीडिया एक्सपोजर के कारण बहुत जल्दी रिलेशनशिप, जिंदगी, असफलता और तुलना से रूबरू हो जाती है। इससे उनकी बातें बड़ों जैसी लग सकती हैं, लेकिन

वे अभी भी बच्चे ही होते हैं। कुछ बच्चे स्वभाव से ही बहुत गहराई से सोचते हैं। वे दूसरों की भावनाएं जल्दी समझ लेते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर मैच्योर लगते हैं, लेकिन उन्हें सपोर्ट की जरूरत होती है। बच्चे के बिहेवियरल मैच्योरिटी के पीछे ऐसे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं।हर बच्चा अलग होता है। वह अपनी गति से मानसिक और भावनात्मक रूप से बड़ा होता है। कुछ बच्चों का व्यवहार उम्र से थोड़ा ज्यादा समझदार लग सकता है, जो पूरी तरह नॉर्मल है। लेकिन जब यह मैच्योरिटी बच्चे से उसका बचपन छीनने लगे या वह अपनी भावनाओं को दबाने लगे, तब यह चिंताजनक है। इसलिए जरूरी है कि पेरेंट्स नॉर्मल और चिंताजनक बिहेवियर के फर्क को समझें। इन संकेतों से आप समय रहते यह जान सकती हैं कि बच्ची की मैच्योरिटी स्वाभाविक है या किसी प्रेशर का नतीजा। इसके अनुसार कुछ जरूरी कदम उठा सकती हैं। ऐसी स्थिति में पेरेंट्स क्या करें? जब बच्चा अपनी उम्र से ज्यादा मैच्योर व्यवहार दिखाए तो घबराने के बजाय संतुलित रवैया अपनाएं। आपकी प्रतिक्रिया ही तय करती है कि बच्चा खुद को कैसे ढालेगा। इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। बच्चे की समझदारी को सराहें, लेकिन बार-बार ये न कहें कि 'तुम तो बहुत समझदार हो।' इससे बच्चे पर यह दबाव बन सकता है कि उसे हर हाल में मजबूत और समझदार ही बने रहना है। उसे यह महसूस कराएं कि बच्चा होना, गलती करना, परेशान होना और मदद मांगना बिल्कुल ठीक है।

उससे कहें, 'तुम बच्ची हो, तुम्हें इतना ज्यादा सीरियस होने की जरूरत नहीं है।' बातचीत के दौरान बच्चे को जज बिल्कुल न करें। ऐसे सवाल पूछें- 'बेटा, तुम्हें ऐसा क्यों लगता है?' 'तुमने ये कहां सुना?' 'तुम ऐसा क्यों सोचती हो?' उसकी बातों को बिना टोके और बिना जजमेंट के सुनें। उसे मौज-मस्ती और खेलने का स्पेस दें बच्चा अगर कभी थोड़ी शैतानी करे, मस्ती करे तो बिल्कुल भी टोकें नहीं। उसकी सराहना करें। खुद भी उसके साथ हंसें-खेलें, हल्की-फुल्की बातें करें, मस्ती-मजाक करें। उसे यह एहसास दिलाएं कि बड़ा बनने की कोई जल्दी नहीं है। बचपन जीना भी बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि आप भी उसके साथ बच्चे बन जाएं। खुद भी कभी बचपना करें, छोटी-छोटी शैतानियों को साथ मिलकर इंजॉय करें। इस बात पर नजर रखें कि वह सोशल मीडिया पर क्या देख रही है, किस तरह का कंटेंट उसकी सोच को प्रभावित कर रहा है। जरूरत हो तो स्क्रीन टाइम और कंटेंट को लेकर बातचीत करें। अगर बच्ची लगातार चुप रहे, इमोशनली बहुत भारी बातें करने लगे या खुद को ज्यादा दबाकर रखे तो काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट से बात करने में बिल्कुल न हिचकें। कई बार माता-पिता अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो बच्चे पर प्रेशर बढ़ा देती हैं। अच्छे इरादों के बावजूद कुछ प्रतिक्रियाएं बच्चे को गंभीर या इंट्रोवर्ट बना सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि पेरेंट्स अपनी भूमिका को लेकर सतर्क रहें और कुछ कॉमन गलतियों से बचें।अंत में मैं यही कहूंगी कि आपकी चिंता बताती है कि आप एक सजग और संवेदनशील मां हैं। समझदारी अच्छी बात है, लेकिन बचपन की कीमत पर नहीं। 13 साल की उम्र में मैच्योर बातें करना कई बार सामान्य होता है। लेकिन अगर इसके साथ चुप्पी बढ़ रही हो, जरूरत से ज्यादा जिम्मेदारी का भाव आ रहा है या बिटिया अपनी भावनाएं दबाने लगी है, तो इसे नजरअंदाज न करें। आपका काम उसे जल्दी बड़ा बनाना नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित महसूस कराना है। उसे यह भरोसा दिलाएं, 'कोई जिम्मेदारी तुम्हें अकेले नहीं उठानी है। हम तुम्हारे साथ हैं।'

मीना कुमारी की 54वीं डेथ एनिवर्सरी,जन्म पर अनाथालय में छोड़ा

मुंबई। मीना कुमारी की जिंदगी जितनी चमकदार पर्दे पर दिखी, उतनी ही दर्द और संघर्ष से भरी असलियत में रही। जन्म लेते ही पिता द्वारा अनाथालय की सीढ़ियों

पर छोड़ दिए जाने से शुरू हुई उनकी कहानी ने महज चार साल की उम्र में ही उन्हें परिवार का सहारा बनने पर मजबूर कर दिया। आगे चलकर फिल्मी दुनिया में नाम कमाने के बावजूद उनका निजी जीवन तकलीफों से भरा रहा। 'बैजू बावरा', 'साहिब बीबी और गुलाम' और 'पाकीजा' जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से उन्होंने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। लेकिन पर्दे की इस चमक के पीछे उनकी जिंदगी दर्द, अकेलेपन और टूटे रिश्तों से घिरी रही। कमाल अमरोही के साथ रिश्तों में आई कड़वाहट और उनके सहायक द्वारा थप्पड़ मारने जैसी घटनाओं ने उनके भीतर के दर्द को और गहरा किया। यही पीड़ा उनके अभिनय में झलकी और उन्हें ट्रेजेडी क्वीन बना गई। 31 मार्च 1972 को महज 38 साल की उम्र में उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी अदाकारी और शायरी आज भी जीवित है। उनकी जिंदगी इस बात की मिसाल है कि सच्ची कला अक्सर गहरे दर्द और अनुभवों से जन्म लेती है। मीना कुमारी का जन्म 1 अगस्त 1933 को मुंबई (तब बॉम्बे) में हुआ था। उनका बचपन का नाम महजबीं बानो था। उनका जन्म पिता अली बख्श के लिए निराशाजनक था क्योंकि वे पुत्र चाहते थे। मीना कुमारी परिवार में दूसरी बेटी थीं, उनकी दो बहनें थीं। बड़ी बहन खुर्शीद जूनियर और छोटी बहन महलीका (मधु), जो बाल कलाकार और अभिनेता महमूद की पत्नी थीं। जब महजबीं का जन्म हुआ, तब उनके पिता को डॉक्टर की फीस देने के पैसे नहीं थे, और उन्हें अनाथालय की सीढ़ियों पर छोड़ दिया, लेकिन कुछ ही समय बाद अब उन्हें पछतावा हुआ तो बेटी को वापस लाए। टैगोर खानदान से रहा है रिश्ता-मीना कुमारी के पिता, मास्टर अली बख्श, भेरा (अब पाकिस्तान) से आए एक सुन्नी मुस्लिम थे, जो रंगमंच के कलाकार, हारमोनियम वादक और उर्दू कवि थे। उनकी माता, इकबाल बेगम (मूल नाम प्रभावती देवी), उत्तर प्रदेश के मेरठ की थीं और बंगाली परिवार से संबंध रखती थीं। उन्होंने विवाह के बाद इस्लाम धर्म अपनाया।मीन कुमारी की नानी, हेम सुंदरी टैगोर, रवींद्रनाथ टैगोर के दूर के चचेरे रिश्तेदार की बेटी थीं। उन्होंने अपने पति के निधन के बाद मेरठ जाकर नर्सिंग की और प्यारे लाल शाकिर मेरठी से शादी की, जिससे मीना

कुमारी की माता प्रभावती पैदा हुईं। चार साल की उम्र में ही परिवार का सहारा बनीं-मीना कुमारी को फिल्मी करियर में कोई खास दिलचस्पी नहीं थी। वे बचपन से ही पढ़ना चाहती थीं, लेकिन घर की हालत इतनी खराब थी कि चार साल की उम्र में उन्हें परिवार का पेट पालने के लिए फिल्मों में काम करना पड़ा। उनके माता-पिता उन्हें शूटिंग के लिए फिल्म स्टूडियो ले जाने लगे। उन्हें नियमित स्कूल में दाखिला मिला, लेकिन काम की व्यस्तता के कारण पढ़ाई बाधित रही। उन्होंने अपनी शिक्षा मुख्य रूप से निजी ट्यूशन और स्व-अध्ययन से पूरी की।चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर करियर की शुरुआत-डायरेक्टर विजय भट्ट ने मीना कुमारी को फिल्म 'लेदरफेस' (1939) में एक बाल कलाकार के रूप में कास्ट किया। यही उनका फिल्मी सफर बेबी महजबीं के नाम से शुरू हुआ। पहले दिन उन्हें 25 रुपए का भुगतान किया गया। बहुत कम उम्र में ही वे बख्श परिवार की मुख्य कमाई का स्रोत बन गई थीं। 1962 में फिल्मफेयर

को दिए गए एक इंटरव्यू में मीना कुमारी ने बताया था कि चार साल की उम्र से ही अपने माता-पिता का सहारा बनने से उन्हें अपार संतुष्टि मिली। बेबी महजबीं से बनीं बेबी मीना-चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पर मीना कुमारी ने अधूरी कहानी (1939), पूजा(1940), एक ही भूल(1940), नई रोशनी(1941), विजय (1942), लाल हवेली(1944) जैसी कई फिल्मों में काम किया। वे कई बार सेट पर इतनी भावुक हो जाती थीं कि रोती थीं, लेकिन जैसे ही कैमरा ऑन होता, उनका अभिनय अपने भीतर की पीड़ा की ताकत के साथ सामने आता था। यही सच्ची संवेदना और गहराई उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाती थी। फिल्म 'एक ही भूल की' शूटिंग के दौरान डायरेक्टर विजय भट्ट ने मीना कुमारी का नाम बेबी महजबीं से बेबी मीना कर दिया। बाद में यही नाम मीना कुमारी के नाम से फेमस हुआ। 2 मई 1946 में रिलीज फिल्म 'बच्चों का खेल' से 13 साल की उम्र में हीरोइन बन कर आईं और बेबी मीना से मीना कुमारी बन गईं। बैजू बावरा (1952) से मीना कुमारी ने अपनी पहचान बनाई। इसमें उनका किरदार गौरी लोगों के दिलों में उतर गया और फिल्म 100 हफ्तों तक चली। इसके लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार मिला। इसके बाद 'दायरा' और 'परिनीता' जैसी फिल्मों ने उनके अभिनय को और पहचान दिलाई। 'परिनीता' में उन्होंने भारतीय नारी की आम जिंदगी की कठिनाइयों को प्रभावशाली ढंग से दिखाया।फिल्म 'शारदा' से मिला ट्रैजेडी क्वीन का खिताब-1954-56 के बीच मीना कुमारी ने समाज और ऐतिहासिक कहानियों पर आधारित फिल्मों में काम किया, जिसमें 'चांदनी चौक', 'एक ही रास्ता', 'अद्ल-ए-जहांगीर', 'हलाकू', और 'आजाद' जैसी फिल्में प्रमुख रही हैं। दिलीप कुमार के साथ उनकी फिल्म 'आजाद' दर्शकों में बेहद लोकप्रिय हुई। 1957 में फिल्म शारदा ने मीना कुमारी को ट्रैजेडी क्वीन बना दिया। उनके साहस और अभिनय के लिए उन्होंने पहला बंगाल फिल्म जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन अवार्ड जीता। इसके बाद की फिल्मों जैसे 'सहारा', 'यहूदी', 'फरिश्ता', 'चिराग कहां रोशनी कहां', ने उन्हें लगातार सफलता दिलाई। 'साहिब बीबी और गुलाम' (1962) में उनके अभिनय ने उन्हें चार फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाए और यह भारत की ऑस्कर प्रविष्टि भी बनी। इसके बाद उन्होंने 'प्रीत पराई', 'कोहिनूर', 'भाभी की चूड़ियां', 'फूल और पत्थर' जैसी यादगार फिल्मों में काम किया। 1972 में उनकी अंतिम रिलीज 'गोमती के किनारे' और 'पाकीजा' थी। 'पाकीजा' में उनके प्रदर्शन ने उन्हें मरणोपरांत भी फिल्म फेयर नामांकन दिलाया।मीना कुमारी सिर्फ अदाकारा ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन पार्श्व गायिका भी थीं। बचपन में उन्होंने 1945 तक 'बहन' जैसी फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में अपनी आवाज दी। बाद में नायिका बनने के बाद उन्होंने 'दुनिया एक सराय' (1946), 'पिया घर आजा' (1948), 'बिछड़े बालम' (1948) और 'पिंजरे के पंछी' (1966) जैसे गीतों को भी अपनी आवाज दी।इतना ही नहीं, उन्होंने 'पाकीजा' के लिए भी गाया था, हालांकि वह गीत फिल्म में इस्तेमाल नहीं किया गया और बाद में 'पाकीजा -रंग बा रंग' (1977) एल्बम में जारी किया गया। कमाल अमरोही से पहली मुलाकात-मीना कुमारी का करियर जितना महान था, उतना ही जीवन संघर्ष ने प्रभावित किया। उनके जीवन का यह चैप्टर तब शुरू हुआ जब उनकी जिंदगी में कमाल अमरोही की एंट्री हुई। 1951 में फिल्म 'तमाशा' के सेट पर 18 वर्षीय मीना कुमारी की मुलाकात प्रसिद्ध निर्देशक कमाल अमरोही से हुई। 'महल' की सफलता के बाद, कमाल अपनी अगली फिल्म 'अनारकली' के लिए नायिका की तलाश में थे। मीना के अभिनय को देखकर उन्होंने उन्हें मुख्य भूमिका के लिए राजी कर लिया। सड़क दुर्घटना में घायल, कमाल अमरोही से बढ़ीं नजदीकियां-21 मई 1951 को महाबलेश्वर के पास मीना कुमारी एक सड़क दुर्घटना की शिकार हो गईं। इसके कारण उनका बायां हाथ हमेशा के लिए चोटिल हो गया और वे दो महीने तक ससून अस्पताल में भर्ती रहीं। दुर्घटना के अगले ही दिन कमाल अमरोही मीना का हालचाल जानने पहुंचे। मीना कुमारी 'अनारकली' में काम न कर पाने के दुख में थीं। कमाल ने उनके हाथ पर फिल्म के आगे 'मेरी' लिखकर स्थिति संभाली और दोनों के बीच निकटता बढ़ी। पिता को बिन बताए निकाह किया-14 फरवरी 1952 को 19 वर्षीय मीना कुमारी ने 34 वर्षीय कमाल अमरोही से अपने परिवार और मित्रों की मौजूदगी में निकाह किया। उनके पिता को इस शादी की जानकारी नहीं थी। दरअसल, 14 फरवरी 1952 को मीना कुमारी के पिता अली बख्श उन्हें और उनकी बहन मधु को फिजियोथेरेपी क्लीनिक छोड़ गए। पिता के जाते ही कमाल अमरोही अपने मित्रों के साथ क्लीनिक पहुंचे और मीना कुमारी से निकाह कर लिया। पिता ने तलाक लेने का दबाव डालना शुरू किया मीना निकाह के बाद अपने घर आ गईं। इसके बाद दोनों पति-पत्नी रात-रात भर बातें करने लगे, जिसे एक दिन एक नौकर ने सुन लिया। जिसे एक दिन एक नौकर ने सुन लिया। इसके बाद पिता ने मीना पर कमाल से तलाक लेने का दबाव डालना शुरू किया। मीना ने तय किया कि तब तक वे कमाल के साथ नहीं रहेंगी, जब तक पिता को दो लाख रुपए न दे दें। पिता ने फिल्मकार महबूब खान को उनकी फिल्म 'अमर' के लिए मीना की डेट्स दे दीं, लेकिन मीना 'अमर' की जगह पति कमाल अमरोही की फिल्म 'दायरा' में काम करना चाहती थीं। इस पर पिता ने चेतावनी दी कि अगर वे पति की फिल्म में काम करने जाएंगी, तो उनके लिए घर के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो जाएँगे। पांच दिन अमर की शूटिंग के बाद मीना ने फिल्म छोड़ दी और 'दायरा' की शूटिंग करने चली गईं। उस रात पिता ने उन्हें घर में नहीं आने दिया और मजबूरी में मीना पति के घर चली गईं। अगले दिन अखबारों में इस डेढ़ साल से छुपी शादी की खबर ने खूब सुर्खियां बटोरीं। शादी के बाद कमाल ने रखीं शर्तें-कमाल ने मीना को फ़िल्मी करियर जारी रखने की अनुमति दी, लेकिन शर्त रखी कि वे अपने मेकअप रूम में किसी पुरुष को नहीं बुलाएंगी। केवल उनके मेकअप आर्टिस्ट को बुलाएंगी और हर शाम 6:30 बजे तक अपनी कार से ही घर लौटेंगी। सेट पर उनका नियंत्रण और निगरानी भी होती थी। मीना कुमारी शुरुआत में सहमत थीं, लेकिन धीरे-धीरे इन शर्तों का पालन नहीं किया। मीना के कार्यक्रमों में कमाल अमरोही नहीं जाते थे-कमाल अमरोही अक्सर मीना के कार्यक्रमों और समारोहों में साथ नहीं जाते थे। 1963 में 'साहिब बीबी और गुलाम' को बर्लिन फिल्म समारोह में भारतीय प्रविष्टि के रूप में चुना गया। तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री सत्य नारायण सिन्हा ने दो टिकटों की व्यवस्था की। एक मीना के लिए और दूसरा उनके पति के लिए, लेकिन कमाल अमरोही ने यात्रा से इंकार कर दिया। प्रीमियर पर मीना अकेले गईं। मीना कुमारी ने अपनी शादी में शारीरिक शोषण का सामना किया। लेखक विनोद मेहता के अनुसार, छह अलग-अलग स्रोतों से यह पुष्टि हुई कि मीना वास्तविक रूप से पीड़ित थीं। नरगिस ने भी उनके दर्द का उल्लेख अपनी चिठ्ठी में किया।कमाल के सहायक बाकर अली ने मीना को थप्पड़ मारा जब उन्होंने गुलजार को मेकअप रूम में प्रवेश दिया। दरअसल, मीना कुमारी 'नाज' नाम से शायरी लिखती थीं और गुलजार से अपने जज्बात साझा करती थीं। उसी सिलसिले में गुलजार मीना कुमारी से मिलने गए थे। बहरहाल, कमाल ने सीधे हस्तक्षेप नहीं किया, जिससे मीना का गुस्सा और बढ़ गया। वे नाराज होकर बहन मधु के घर चली गईं।

कमाल ने उन्हें वापस लाने की कोशिश की, लेकिन मीना ने उनसे बात करने से मना कर दिया। इस घटना ने पहले से तनावपूर्ण संबंध को पूरी तरह तोड़ दिया।अलगाव के बाद मीना कुमारी अक्सर अकेलेपन, निराशा और पीड़ा का सामना करती थीं। बहुत से लोगों का मानना है कि यही अकेलापन बाद में उन्हें शराब की ओर ले गया, जो उनके स्वास्थ्य पर भारी पड़ा। समय के साथ उनका स्वास्थ्य काफी बिगड़ता गया, और कयास हैं कि अलगाव और व्यक्तिगत संघर्ष ने उन्हें अंदर-ही-अंदर तोड़ दिया। उन्होंने शराब का सहारा लेना शुरू किया, परंतु यह उनकी हालत को और खराब करने लगा। जब उनकी आखरिी फिल्म पाकीजा अंततः 4 फरवरी 1972 में रिलीज हुई, जिसे उनके पति कमाल अमरोही ने डायरेक्ट की थी। इस फिल्म के पूरा होने में 14 साल लगे थे। उन्हें उसके परिणाम देखने के लिए जिंदगी नहीं मिली। वह 28 मार्च 1972 को बीमार पड़ीं, और 31 मार्च 1972 को लीवर सिरोसिस के कारण केवल 38 वर्ष की उम्र में दुनिया से विदा हो गयीं। उनकी अंतिम इच्छा के रूप में उनके ताबूत पर यह पंक्तियां खुद उन्होंने लिखवाईं:-'She ended life with a broken fiddle, with a broken song, with a broken heart, but not a single regret.' (मतलब, उसने टूटी हुई बांसुरी, टूटा हुआ गीत, टूटा हुआ दिल लेकर जीवन समाप्त किया, लेकिन एक भी पछतावा नहीं) यह पंक्तियां उनके जिन्दगी के संघर्ष, भावनात्मक गहराई और जीवनदर्शिता का सबसे संवेदनशील प्रतिबिंब हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।